PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 227 ● भिलाई, बुधवार 18 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधानसभा परिसर में तीन दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का किया शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिविर में स्वयं स्वास्थ्य जांच कराकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान जीवनशैली में शारीरिक गतिविधियों में कमी आने के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक हो गई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने से व्यक्ति समय रहते जागरूक रहकर आवश्यक सावधानी अपनाते हुए गंभीर बीमारियों से बचाव कर सकता है।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त समाज और समृद्ध राज्य की नींव होते हैं। मुख्यमंत्री साय ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर न केवल लोगों को जागरूक करते हैं, बल्कि उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित भी करते हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, संचालक स्वास्थ्य संजीव कुमार झा, सीजीएमएससी के प्रबंध संचालक रितेश अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का त्याग और बलिदान देश की अमूल्य धरोहर : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय कक्ष में छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संस्था के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री को 23 मार्च को बेमेतरा जिले में आयोजित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री साय ने आमंत्रण के लिए संस्था के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का योगदान देश के इतिहास में अमूल्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। यह केवल कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को देशभक्ति, समर्पण और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देने का भी सशक्त माध्यम है।उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रीय मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं और स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, संस्था के अध्यक्ष डॉ. शिरीष शर्मा, डॉ. शिवेन्द्र त्रिपाठी, ललित मिश्रा, श्री विनायक दीवान सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

तीन माह से बड़े बच्चों को गोद लेने वाली महिलाओं को भी मैटरनिटी लीव

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बच्चे गोद लेने वाली माताओं के लिए एक बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि गोद लेने वाली महिलाओं को जन्म देने वाली माताओं के समान ही मातृत्व लाभ प्राप्त करने का अधिकार है। कोई महिला चाहे कितने भी महीने का बच्चा गोद क्यों न ले, उसे 12 हफ्ते की मातृत्व अवकाश मिलना चाहिए। बता दें कि इसे पहले 2020 की सामाजिक सुरक्षा संहिता की धारा 60(4) कहती थी कि केवल तीन महीने से छोटे बच्चों को गोद लेने वाली माताओं को ही 12 हफ्ते की छुट्टी मिलेगी। अब समझिए अदालत ने क्या कहा? गोद लेने वाली माताओं और जैविक माताओं के बीच अंतर तो है, लेकिन सभी माताओं को समान अधिकार मिलना चाहिए। परिवार बनाने के गैर-जैविक तरीके (जैसे गोद लेना) भी उतने ही कानूनी हैं जितने जैविक तरीके। गोद लिया बच्चा जैविक बच्चे से अलग नहीं होता। मातृत्व अवकाश एक मूलभूत मानवाधिकार है। अदालत ने केंद्र सरकार से कहा कि पितृत्व अवकाश को भी सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा बनाया जाए।

पितृत्व अवकाश पर भी कोर्ट की टिप्पणी

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि केंद्र सरकार पितृत्व अवकाश को भी सामाजिक सुरक्षा का हिस्सा मानते हुए कानून में शामिल करे। इसका मतलब है कि अब पिता को भी बच्चे की देखभाल के लिए छुट्टी मिल सकेगी। यह फैसला उस याचिका पर आया जिसमें अधिवक्ता हंसानंदिनी नंदूरी ने चुनौती दी थी।

मामला कैसे शुरू हुआ ?

कर्नाटक की वकील हंसानंदिनी नंदूरी ने इस प्रावधान को चुनौती दी थी। उन्होंने 2017 में दो बच्चों को गोद लिया था, एक साढ़े चार साल की लड़की और उसका दो साल का भाई। जब उन्होंने अपने नियोक्ता से मातृत्व अवकाश मांगा, तो उन्हें बताया गया कि उन्हें प्रत्येक बच्चे के लिए केवल छह सप्ताह की छुट्टी मिलेगी, क्योंकि बच्चे तीन महीने की उम्र की सीमा पूरी नहीं करते। नंदूरी ने याचिका में कहा कि कानून गोद लेने वाली माताओं और बच्चों के साथ भेदभाव करता है। उन्होंने तर्क दिया कि यह अन्यायपूर्ण, मनमाना और असंवैधानिक है।

अदालत ने क्या आदेश दिया ?

अब गोद लेने वाली माताओं को बच्चे की उम्र की परवाह किए बिना 12 हफ्ते की मातृत्व अवकाश मिलेगी। कोर्ट ने कहा कि सभी माताओं के अधिकार समान हैं।

वाहनों की देख-रेख और मरम्मत की ठोस व्यवस्था का मुद्दा उठा राज्यसभा में

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की धर्मशीला गुप्ता ने सोमवार को राज्यसभा में सरकारी परिवहन बसों तथा अन्य सार्वजनिक परिवहन वाहनों की देख रेख और मरम्मत की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट किया। गुप्ता ने शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि छोटे शहरों और गांवों में सार्वजनिक परिवहन ही आवागमन का मुख्य साधन है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर 400 लोगों की हत्या का लगाया आरोप

काबुल। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की सेना पर राजधानी काबुल में नशा मुक्ति केंद्र पर हवाई हमला करने का आरोप लगाया, जिसमें कम से कम 400 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी मंगलवार को अल जज़ीरा ने दी। हालांकि पाकिस्तान ने इस दावे को झूठा और जनमत को गुमराह करने वाला बताते हुए खारिज कर दिया।

लोकसभा ने 8 सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त किया

नयी दिल्ली। लोकसभा ने आठ सदस्यों का निलंबन वापस लेने के प्रस्ताव को मंगलवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया, जिससे उनका निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त हो गया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ध्यानाकर्षण सूचना 374 के खंड दो के तहत वह आठ सदस्यों के निलंबन को वापस लेने का प्रस्ताव रखते हैं। उन्होंने कहा कि निलंबित सदस्यों का निलंबन वापस लिया जाये। इसके बाद प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हो गया है, अतः आठ सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाता है। इससे पहले कांग्रेस के के. सुरेश ने कहा कि कांग्रेस के सात और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक सदस्य का निलंबन दुखद है। कल बिरला की अध्यक्षता में हुई बैठक मे इस पर व्यापक चर्चा की गयी।

सत्ता और विपक्ष के नेताओं ने अपना-अपना पक्ष रखा। बैठक में सभी सदस्यों का मत था कि सदस्य सदन में ऐसा व्यवहार करें, जिससे एक आदर्श प्रस्तुत हो। कोई भी सदस्य मर्यादा न लांघे। समाजवादी पार्टी के धर्मेन्द्र यादव ने कहा, हम लोग मर्यादा का उल्लंघन नहीं करेंगे, सत्ता पक्ष भी इसी भावना का परिचय दे। तभी सदन सुचारु रूप से चल पायेगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले ने कहा कि नीतियों पर टीका-टिप्पणी की जानी चाहिए, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर किसी के लिए कोई टिप्पणी नहीं की जाये। कोई सदस्य लक्ष्मण रेखा पार न करे। ऐसी भावना के साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य अपना व्यवहार सदन में करेंगे, तो सदन अच्छे से चलेगा। पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि सुले ने लक्ष्मण रेखा पार न करने की बात कही है।

सदन की गौरवशली निर्वाह करने के लिए सभी का सहयोग महत्वपूर्ण : बिरला

बिरला ने कहा कि सभी दलों के नेताओं के साथ बैठक में सदन को सुचारु रूप से चलाने देने में सहयोग देने के प्रति प्रतिबद्धता दर्शायी गयी थी। सदन की गौरवशली परम्परा का निर्वाह करने के लिए सभी का सहयोग महत्वपूर्ण है। सदन में और संसद परिसर में सदस्य तख्तियां, फर्जी फोटो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित फोटो नहीं लायेंगे। वह पहले भी कहते रहे हैं और अब फिर कह रहे हैं कि इन बातों का सभी सदस्य विशेष ध्यान रखें। गौरतलब है कि बजट सत्र के पहले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण से पैदा हुई स्थिति के बाद भारी हंगामा करने और अध्यक्ष के आसन की ओर कागज फेंकने के आरोप में कांग्रेस के सात और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक सदस्य को सत्र की शेष अवधि के लिए तीन फरवरी को निलंबित कर दिया गया था।

शिकायतों का तेज निराकरण और मंजूरी पर फोकस कर हासिल किया देश में पहला स्थान

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से सुरक्षित मातृत्व को दिया जा रहा बढ़ावा : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना को लाभार्थियों तक पहुंचाने में छत्तीसगढ़ अव्वल रहा है। इससे एक बार फिर साबित हुआ है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार न सिर्फ जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से अमल में लाती है, बल्कि प्रशासनिक सक्रियता से उसे हर तबके तक समय पर पहुंचाने के अपने वादे को पूरा करती है। गर्भवती महिलाओं को प्रसव के दौरान पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रोत्साहित करने की इस केंद्रीय योजना के तेजी से क्रियान्वयन और शिकायतों का त्वरित निपटान कर छत्तीसगढ़ ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। यह सिर्फ एक सरकारी योजना का राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वयन भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से लेकर पर्यवेक्षक, परियोजना अधिकारी और राज्य स्तर के अधिकारियों तक के सेवा, समर्पण और दृढ़ निश्चय से हासिल की गई उपलब्धि है।

जच्चा एवं बच्चा का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थान इस दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। प्रशासनिक अमले द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लगातार मॉनिटरिंग की गई और लाभार्थियों के पंजीयन पर मुख्य रूप से फोकस किया गया। इस योजना का लाभ लेने के लिए वर्ष 2023-24 में जहां 1,75,797 गर्भवती महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन करवाया था, वहीं वर्ष 2024-25 में 2,19,012 रजिस्ट्रेशन किए गए।

इसे ही लक्ष्य मानते हुए वर्ष 2025-26 में फरवरी तक 2,04,138 महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया गया जो लक्ष्य का 93.3 प्रतिशत है।

भारत ने काबुल में अस्पताल पर पाक के हमले की कड़ी निंदा की

नयी दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक अस्पताल पर पाकिस्तान के हमले को कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि भारत सोमवार की रात काबुल के ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल पर पाकिस्तान के बर्बर हवाई हमले की कड़ी निंदा करता है। यह हिंसा का एक कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की जान चली गई। इस अस्पताल को किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है।

प्रत्येक बच्चे को मिले पौष्टिक भोजन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : राष्ट्रपति

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि देश के प्रत्येक बच्चे को पौष्टिक भोजन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिलना आवश्यक है, क्योंकि यही तत्व बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आधार बनते हैं। मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा पांच अरब भोजन वितरण की उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि शैक्षिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पांच अरब भोजन परोसना अक्षय पात्र फाउंडेशन की उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की थीम 'सुपोषित और शिक्षित भारत से विकसित भारत की ओर' वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में पोषित और शिक्षित समाज के महत्व को दर्शाती है।

भारत माता चौक में एकत्रित होकर कांग्रेस जनों ने विधानसभा की ओर किया कूच

कांग्रेस ने किया ऐतिहासिक विधानसभा का घेराव

रायपुर। कांग्रेस ने ऐतिहासिक विधानसभा का घेराव किया। हजारों की संख्या में भारत माता चौक में एकत्रित होकर कांग्रेस जनों ने विधानसभा की ओर कूच किया। मनरेगा बचाओ संग्राम तथा प्रदेश के स्थानीय मुद्दे बिजली के दाम में बढ़ोत्तरी, किसानो से धोखा, धान खरीदी पर वादा खिलाफी, गैस सिलेंडर के दामो की बढ़ोत्तरी बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था प्रदेश में नशे की खेती और करोबार जैसे मुद्दे को लेकर कांग्रेस विधानसभा का घेराव किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू, एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी एस संपत कुमार, एआईसीसी सचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी जरिता लैतफ्लांग, एआईसीसी संयुक्त सचिव एवं प्रदेश सह-प्रभारी विजय जांगिड़ सहित, पूर्व मंत्रीगण, विधायकगण राज्य के वरिष्ठ नेतागण, कार्यकर्ता, पदाधिकारी सहित आम आदमी बड़ी संख्या में शामिल हुये।

राष्ट्रीय महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गरीबों, मजदूरों को वंचित, जो असहाय है, निर्बल है उन लोगों की आवाज बन कर राजधानी में विधानसभा के घेराव का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में कांग्रेस पार्टी ने जनता की आवाज को उठाने का बीड़ा उठाया है। आपके साथ मिलकर इस सरकार को जगाना जरूरी है कि प्रमुख रूप से नरेगा का कानून बना था ये बड़ा और विचित्र कानून था जो पूरे दुनिया में किसी मुल्क में नहीं था। रोजगार का अधिकार सोनिया गांधी जी ने डॉ. मनमोहन सिंह जी ने दिया। मोदी जी प्रधानमंत्री बने उनका पहला भाषण मनरेगा के खिलाफ था। उनकी मंशा 2014 में इस नरेगा को बंद करने की थी। तीसरी बार सरकार बनने के बाद मोदी सरकार इस कानून में बदलाव करना चाहती है, वो बंद करना चाहती है। पहले केंद्र सरकार नरेगा का 90 प्रतिशत पैसा दिल्ली से आता था। अब इन्होंने राज्यों पर 60-40 का रेस्यों डाल दिया। जो कार्यक्रम होंगे खेत, खलिहान, कुएं, तालाब निर्माण वो निर्णय ग्राम पंचायत नहीं कर सकती वो सब केन्द्रित कर दिया।

भाजपा की सरकार समझ गयी कि देश की जनता का कितना भी शोषण कर लो, कितना भी अत्याचार कर लो, कितना भी कानून बदल लो, ये धर्म की आड़ में, हिन्दू-मुसलमान की आड़ में, मंदिर-मस्जिद की आड़ में दोबारा फूल छाप पर ही वोट डालेंगे।

हॉर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में गश्त की योजनाओं से पीछे हटने पर ट्रंप सहयोगी देशों से नाराज

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों की आलोचना करते हुए कहा है कि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य मार्ग को सुरक्षित करने के लिए उन्होंने जिस गठबंधन का प्रस्ताव रखा है, उसके प्रति सहयोगियों में उत्साह की कमी है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से ही दुनिया के ऊर्जा संसाधनों के पाँचवें हिस्से की जहाज़ों से जरिये आपूर्ति की जाती है। ट्रंप ने सोमवार देर रात ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ईरान के साथ संघर्ष जल्द ही खत्म हो सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस हफ़्ते किसी समाधान की संभावना कम है। उन्होंने इस सैन्य अभियान का बचाव करते हुए कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए यह ज़रूरी था। ट्रंप ने कहा, यह अभियान जल्द ही खत्म हो जाएगा। हमारी दुनिया कहीं ज़्यादा सुरक्षित होगी। गौरतलब है कि ईरान ने 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल द्वारा किए गए हमलों के जवाब में इस क्षेत्र से होकर गुजरने वाले जहाज़ों को निशाना बनाने की धमकी दी थी जिसके बाद फारस की खाड़ी से होने वाली जहाज़ों की आवाजाही काफी हद तक कम हो गई है। ट्रंप ने ब्रिटेन की प्रतिक्रिया पर असंतोष ज़ाहिर करते हुए कहा ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर द्वारा इस संघर्ष में नाटो को शामिल करने में दिखाई गई हिचकिचाहट से मैं खुश नहीं हैं और बहुत हैरान हूं। मैं ब्रिटेन के रवैये से खुश नहीं था। मुझे लगता है कि शायद वे इसमें शामिल होंगे, लेकिन उन्हें पूरे उत्साह के साथ शामिल होना चाहिए। कई सहयोगियों ने पहले ही हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में गश्त करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आह्वान पर अपनी नाराज़गी ज़ाहिर कर दी है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ उन नेताओं में शामिल थे जिन्होंने सोमवार देर रात संकेत दिया कि उनका देश फ ारस की खाड़ी में स्थित इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर गश्त करने में शामिल नहीं हो सकता है।

सांसद विजय बघेल ने इस अवसर पर बस को हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान के लिए रवाना किया

दुर्ग से जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा के लिए 50 पत्रकार साथियों को लेकर बस हुई रवाना

दुर्ग। दुर्ग से जगन्नाथ पुरी तीर्थ यात्रा के लिए छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई दुर्ग के समस्त ब्लाक पाटन, अमलेश्वर, अंडा उतई, अहिवारा, कुम्हारी, धमधा एवं दुर्ग शहर से 50 पत्रकारों ने जगन्नाथ पुरी, भुवनेश्वर कोणार्क भ्रमण करने हेतु तीन दिवसीय तीर्थ यात्रा पर निकला इस मौके पर दुर्ग शहर विधायक एवं शिक्षा व कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने समस्त संगठन के पत्रकारों को तीर्थ यात्रा हेतु मंगल शुभकामनाएं प्रेषित किया। इस मौके पर छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के समस्त पत्रकार साथियों ने दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल को उनके जन्मोत्सव के मौके पर बधाई देने उनके निवास कार्यालय पहुंचे जिसके पश्चात सांसद विजय बघेल ने बस को हरी झंडी दिखाकर दुर्ग से पुरी के लिए रवाना किया। इस यात्रा में विशेष आभार एवं धन्यवाद के साथ दुर्ग विधानसभा के विधायक

एवं छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट व शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव एवं सांसद विजय बघेल के प्रति छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ के समस्त पदाधिकारी ने कृतज्ञता व्यक्त किया है। वहीं तीर्थ यात्रा में शामिल होने वाले पत्रकारों में- छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला अध्यक्ष ललित साहू, जिला महासचिव ईश्वर साहू, जिला सचिव रोशन सिंह बंभोले, जिला उपाध्यक्ष अनिल साहू, संरक्षक बीरेंद्र पुरी गोस्वामी, जिला कार्यकारी सदस्य अखिलेश साहू, अश्वनी जांगड़े, जिला मीडिया प्रभारी रवि सेन, जिला सह सचिव करण ताम्रकार, शहर अध्यक्ष शैलेंद्र साहू, धमधा ब्लॉक निकेत ताम्रकार, अमलेश्वर ब्लॉक अध्यक्ष करण साहू, रुपेश साहू, घनश्याम साहू, कैलाश साहू,जीवन नाटक, हरीश वर्मा, रामजी निर्मलकर, अश्वनी जांगड़े,बागों कैमरा मैन, दुर्गेश कुमार,संजय साहू, उदय साहू, रोशन बमभोले, राम साहू, मुकेश देवांगन, आकाश सोनी, तरुण हरिहारनो दिलीप, साकेत श्रीवास्तव, रामकुमार यादव, धूलेस्वर साहू, सुधीर ताम्रकार, खिलेन्द्रा साहू, लक्ष्मण साहू अश्वनी साहू, गोविंद सुरेश सोनकर, होरी साहू,परसराम साहू, श्रवण साहू महेश, राजू लाल, खिलेश गंजीर एवं सभी ब्लॉक के संगठन के पत्रकार साथी इस यात्रा में शामिल हुए।

ई-ऑफिस क्रियान्वयन में दुर्ग जिला प्रदेश में द्वितीय स्थान पर, कलेक्टर सिंह के मार्गदर्शन में मिली बड़ी सफलता

दुर्ग। सरकारी कामकाज में पारदर्शिता, गतिशीलता और पेपरलेस गवर्नेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन में दुर्ग जिले ने पूरे छत्तीसगढ़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। प्राप्त नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, ई-फाइल काउंट के मामले में दुर्ग जिला 9,957 फाइलों के साथ पूरे प्रदेश में द्वितीय स्थान पर काबिज हो गया है। यह उपलब्धि कलेक्टर अभिजित सिंह के कुशल मार्गदर्शन और उनके द्वारा की गई निरंतर मॉनिटरिंग का प्रतिफल है। जिले में इस प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कार्यालयीन फाइलों के निपटान में तेजी आई है जिससे प्रक्रिया अधिक

पारदर्शी और उत्तरदायी बनी है। कलेक्टर सिंह ने स्पष्ट किया है कि ई-ऑफिस केवल एक सॉफ्टवेयर मात्र नहीं, कार्य संस्कृति में एक क्रांतिकारी बदलाव है, जिससे आम जनता के कार्यों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित हो रहा है। प्रदेश स्तर पर ई-ऑफिस की वर्तमान स्थिति के अनुसार सक्ती जिला प्रथम स्थान पर बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि सक्ति जिले को शासन द्वारा ई-ऑफिस के सफल क्रियान्वयन के लिए एक 'प्रयोग जिले' के रूप में विकसित किया गया था, जहाँ शुरुआती दौर में इस तकनीक का व्यापक परीक्षण किया गया। इस मॉडल डिस्ट्रिक्ट् पहल के कारण सक्ति जिले को आंकड़ों में उल्लेखनीय बढ़त प्राप्त हुई है। हालांकि, दुर्ग जिले ने अपनी सक्रियता और बेहतर प्रशिक्षण रणनीति के माध्यम से बहुत कम समय में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप, जिले के सभी सरकारी विभागों में अब भौतिक फाइलों के स्थान पर डिजिटल फाइलों के चलन को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे भविष्य में 'जीरो पेंडेंसी' के लक्ष्य को प्राप्त करने में बड़ी मदद मिलेगी।

जल दिवस पर जागरूकता अभियान को लेकर निगम में मंथन, जलकार्य समिति की अहम बैठक संपन्न

जल संरक्षण और सुचारु जलापूर्ति को लेकर सदस्यों ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

दुर्ग। नगर पालिक निगम/महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम दुर्ग में आज जलकार्य समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जल कार्य प्रभारी लीना-दिनेश देवांगन की अध्यक्षता में यह बैठक जलगृह कार्यालय स्थित उनके कक्ष में आयोजित हुई, जिसमें आगामी 22 मार्च विश्व जल दिवस के मद्देनजर शहर में जल जागरूकता अभियान चलाने कार्यक्रम के संबंध विस्तृत चर्चा कर समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर महापौर से चर्चा कर आयोजन की रूप रेखा तय करने का निर्णय लिया गया।बैठक में शहर में जल प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। समिति के सदस्यों ने सभी जल टंकियों में पानी के स्तर की सही जानकारी के लिए मीटर गेज लगाने का सुझाव दिया, ताकि जल वितरण व्यवस्था को बेहतर ढंग से नियंत्रित किया जा

सके।इसके साथ ही जल आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए जल टैंकरों का तत्काल संधारण (मेंटेनेंस) करने तथा आवश्यकता अनुसार टैंकरों के लिए वाहन चालकों की संख्या बढ़ाने का भी प्रस्ताव रखा गया।

जल संरक्षण और बेहतर जल प्रबंधन पर हुई चर्चा

बैठक के दौरान सदस्यों ने विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और शहर में जल प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न सुझाव दिए। समिति ने इस अवसर को जनभागीदारी से जोड़कर जल संरक्षण का संदेश व्यापक स्तर पर पहुंचाने पर भी बल दिया। इस दौरान समिति सदस्य गुलाब वर्मा, पायल पाटिल, मनोज सोनी, रेखा बंजारे तथा नगर निगम के उपअभियंता विनोज मांझी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने बैठक में अपने सुझाव एवं विचार साझा किए।

कलेक्टर ने रविवार को दुर्ग-भिलाई सहित ग्रामीण क्षेत्रों में चौड़ीकरण हेतु स्वीकृत सड़को का मौके पर किया निरीक्षण

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने रविवार 15 मार्च को लोक निर्माण विभाग सड़क/सेतु/विद्युत यांत्रिकी, नगर पालिक निगम, राजस्व और विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ दुर्ग-भिलाई नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में चौड़ीकरण हेतु स्वीकृत सड़कों के निर्माण कार्य प्रारंभ कराने हेतु मौका मुआयना किया। उन्होंने जेल तिराहा से मिनीमाता फेरलेन सड़क अंतर्गत महाराजा चौक और पोटिया चौक का अवलोकन किया। यहां पर मार्किंग कर अतिक्रमण हटाने का कार्य और स्ट्रीट लाईट शिफ्टिंग कार्य अभी से प्रारंभ करने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करने के पूर्व स्ट्रीट लाइट शिफ्टिंग हेतु नगर निगम को डिमांड नोट प्रस्तुत करने कहा। इसी प्रकार महाराजा चौक से बोरसी चौक तक सड़क चौड़ीकरण हेतु भू-अर्जन की कार्यवाही करने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया। अधिकारियों ने बताया कि इस सड़क पर महाराजा चौक और पोटिया चौक पर फ्लाई ओव्हर ब्रिज बनाए जाएगे। उक्त निर्माण कार्य सेतु निर्माण

विभाग द्वारा किया जाएगा। पोटिया चौक से मिनीमाता चौक तक भू-अर्जन की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कलेक्टर सिंह ने महमरा से नगपुरा जालबांधा रोड का भी अवलोकन किया। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण को ध्यान में रखते हुए उक्त सड़क के अगल-बगल अतिक्रमण हटाने संबंधितों को नोटिस के माध्यम से सूचित करने और निर्धारित तिथि के पूर्व हटाने अधिकारियों को निर्देशत करने कहा। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण को ध्यान में रखते हुए उक्त सड़क पर निर्मित होने वाले ब्रिज की चौड़ाई 13 के बजाय 14 मीटर कराने शासन को आवश्यक पत्राचार करने ब्रिज निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर सिंह ने भ्रमण के दौरान ग्राम नगपुरा में महाविद्यालय भवन के लिए चिन्हांकित स्थल का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम सेवती में सिंह फ्लाई एस ब्रिक्स द्वारा सड़क अतिक्रमण का भी जायजा लिया और राजस्व अधिकारियों को सड़क के मापदण्ड को ध्यान में रखते हुए मार्किंग कर अतिक्रमित जमीन से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों के साथ भिलाई नगर निगम अंतर्गत अवंती बाई चौक कोहका से खुर्सीपार तक लगभग 5 किमी केनाल सड़क का भी पैदल भ्रमण कर अतिक्रमण का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया कि शासन से स्वीकृत उक्त सड़क निर्माण हेतु मार्किंग कर अतिक्रमण हटाया जाए। इससे पूर्व संबंधितों को नोटिस तामिल की जाए। कलेक्टर सिंह ने अहिवारा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गिरहोला से मलपुरी खुर्द तक स्वीकृत सड़क चौड़ीकरण का भी अवलोकन किया। उन्होंने सड़क निर्माण हेतु आवश्यक जमीन के संबंध में सड़क चौड़ाई की टेप से मौके पर माप भी कराई। राजस्व अमले को किसानों द्वारा किये गए फेसिंग एवं अतिक्रमण स्वयं से हटाने हेतु सूचित करने कहा। नहीं हटाने पर विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कर फेसिंग तार एवं पोल आदि जब्ती की कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों के साथ बाईपास विकल्प के रूप में सिरसा गेट से तर्रा-फुण्डा-सेलूद-उतई मार्ग का भी अवलोकन किया। उन्होंने उतई में निर्माणाधीन उतई बायपास रोड़ के निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया। साथ ही आवश्यक जमीन हेतु बीएसपी से समन्वय कर भू-अर्जन प्रक्रिया के तहत् निर्माण कार्य एजेंसी विभाग को जमीन उपलब्ध कराने राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता आशीष भट्टाचार्य, सेतु विभाग के कार्य पालन अभियंता सीके पाण्डेय, विद्युत मण्डल ग्रामीण के कार्य पालन अभियंता छगन शर्मा, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, एसडीएम भिलाई हितेश पिस्दा, एसडीएम भिलाई-3 महेश राजपूत, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

तेलीगुण्डरा की सखी महिलाओं ने बटन मशरूम को बनाया अपनी सशक्त पहचान

मशरूम उत्पादन कर 'मास्टर ट्रेनर' बनीं दुर्ग की ग्रामीण महिलाएं

दुर्ग। दुर्ग जिले में नारी शक्ति समाज की पुरानी सोच को बदल रही है। ग्राम तेलीगुण्डरा की ''सखी महिला स्व सहायता समूह'' की महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि अगर सही मार्गदर्शन मिले, तो ग्रामीण महिलाएं भी किसी से पीछे नहीं हैं। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत प्रेरित होकर इन महिलाओं ने बटन मशरूम उत्पादन का बीड़ा उठाया और आज वे अपने काम के दम पर अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं। इस समूह में कुल 12 महिलाएं शामिल हैं, जो मशरूम उत्पादन के कार्य में जुटी हुई हैं। शुरुआत में एक उपयुक्त स्थान की चुनौती थी, जिसे ग्राम पंचायत के सरपंच ने भवन उपलब्ध कराकर दूर किया। आज आधुनिक उपकरणों और बेहतर प्रबंधन के जरिए ये महिलाएं सफलतापूर्वक मशरूम उगा रही हैं। शुरुआती दौर में केवल 45 बैग से शुरू हुआ यह सफर सालाना 80 हजार रुपये की शुद्ध आय तक पहुंच गया है। इससे

इन महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उन्हें अपने ही गाँव में रोजगार के नए अवसर भी मिले हैं। सखी स्व सहायता समूह की यह सफलता केवल आमदनी तक सीमित नहीं है। समूह को प्राप्त 15 हजार रुपये की चक्रीय निधि का उपयोग महिलाएं अपनी घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कर रही हैं। सबसे प्रेरणादायक बात यह है कि कभी खुद ट्रेनिंग लेने वाली ये महिलाएं आज इतनी सशक्त हो गई हैं कि वे 'मास्टर ट्रेनर' के रूप में दूसरी ग्राम पंचायतों के समूहों को भी प्रशिक्षण दे रही हैं। बिहान योजना के अधिकारियों के सहयोग और अपनी कड़ी मेहनत के बल पर, ये महिलाएं आज गर्व के साथ अपने पैरों पर खड़ी हैं।

जिले में चार गौ-धाम योजना का हुआ शुभारंभ पशु संरक्षण को मिलेगा नया आधार

- गौ-धाम योजना से पशुधन संरक्षण के साथ जैविक खेती और ग्रामीण रोजगार को मिलेगा बढ़ावा- विधायक ललित चंद्राकर

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय कोनी में गौ-धाम योजना का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री साय ने राज्य के सभी जिलों में गौ-धाम योजना का शुभारंभ वर्चअल जुड़कर किया। इस अवसर पर दुर्ग जिले के ग्राम उरपोटी गौ-धाम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां विधायक और प्रशासनिक अधिकारियों ने गाय को तिलक लगाकर, माला पहनाकर तथा लड्डू और गुड़ खिलाकर कायक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान कोनी (बिलासपुर) में आयोजित मुख्य समारोह का सीधा प्रसारण भी किया गया। दुर्ग जिले में पंजीकृत चार गौ-धाम उरपोटी, बासीन, चंदखुरी और नारधा है। उपाध्यक्ष छ.ग.राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण व विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री माननीय विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ सरकार ग्रामीण

अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और पशुधन संरक्षण को नई दिशा देने के लिए गौधाम योजना का शुभारंभ किया गया। यह महत्वाकां योजना न केवल पशुधन की सुरक्षा और नस्ल सुधार को बढ़ावा देगी बल्कि जैविक खेती, चारा विकास और गौ-आधारित उद्योगों माध्यम से गांव-गांव में रोजगार के नए अवसर भी खोलेगी। योजना का स्वरूप इस तरह तैयार किया गया है कि निराश्रित एवं घुमंतु गौवंशीय पशुओं की देखभाल के साथ-साथ चरवाहों और गौसेवकों को नियमित आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध हो, जिससे ग्रामीण जीवन में आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता आ सके। गौधाम योजना का उद्देश्य गौवंशीय पशुओं का संरक्षण एवं संवर्धन करना, गौ-उत्पादों को बढ़ावा देना, चारा विकास कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना, गौधाम को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करना, ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना तथा फसलों के नुकसान और दुर्घटनाओं में पशु एवं जनहानि से बचाव सुनिश्चित करना है। प्रत्येक गौधाम को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा।

संचालनकर्ता समिति या संस्था ग्रामीणों को गौ-उत्पाद विषय पर प्रशिक्षण देगी और उन्हें गौ-आधारित खेती के लिए प्रेरित करेगी। इसके साथ ही गोबर और गौमूत्र से केंचुआ खाद, कीट नियंत्रक, गौ काष्ठ, गोनेइल, दीया, अगरबत्ती आदि बनाने का प्रशिक्षण, उत्पादन और बिक्री के लिए भी गौधाम एक माध्यम बनेगी। छ.ग को धान का कटोरा कहने के पीछें गौवंशो का बड़ा ही योगदान है।

अवंती बाई चौक से शीतला कॉम्प्लेक्स तक बनेगी भव्य कैनाल रोड, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

भिलाई नगर। शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यातायात को सुगम बनाने की दिशा में प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह, नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय एवं लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता की उपस्थिति में प्रस्तावित कैनाल रोड का विस्तृत निरीक्षण किया गया। यह प्रस्तावित मार्ग अवंती बाई चौक से पॉवर हाउस स्थित शीतला कॉम्प्लेक्स तक बनाया जाना है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परियोजना की बारीकियों और धरातलीय चुनौतियों का जायजा लिया। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित सड़क की मार्किंग (सीमांकन) का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। निरीक्षण के दौरान रोड के एलाइनमेंट और चौड़ाई का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया। कैनाल रोड के निर्माण में बाधा बन रहे सभी अवैध अतिक्रमणों को चिन्हित कर लिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि

सड़क निर्माण के कार्य को निर्बाध गति से चलाने के लिए जल्द ही अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू की जाएगी। इस सड़क के बनने से पॉवर हाउस क्षेत्र और अवंती बाई चौक के बीच यातायात का दबाव कम होगा और नागरिकों को एक वैकल्पिक सुगम मार्ग उपलब्ध होगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और समय-सीमा के भीतर आवश्यक प्रारंभिक प्रक्रियाओं को पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय दंडाधिकारी हितेश पिस्दा, तहसीलदार डिगेश्वर साहू, जोन आयुक्त अजय राजपूत, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, उप अभियंता शबनम निशा एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

प्रत्येक जोन के 10 बड़े बकायादारों के नाम किए जाएंगे सार्वजनिक

टैक्स वसूली को लेकर नगर निगम सख्त, बड़े बकायादारों पर होगी कड़ी कार्रवाई

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा वित्तीय वर्ष के अंतिम चरण में संपत्तिकर एवं अन्य करों की वसूली को लेकर सख्त कदम उठाने की तैयारी की जा रही है। निगम प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिन करदाताओं द्वारा लंबे समय से कर राशि जमा नहीं की गई है, उनके विरुद्ध अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम द्वारा प्रत्येक जोन के 10 बड़े बकायादारों की सूची तैयार की जा रही है। इन बकायादारों के नाम सार्वजनिक किए जाएंगे ताकि उन्हें शीघ्र कर भुगतान के लिए प्रेरित किया जा सके। इसके बावजूद यदि बकाया राशि जमा नहीं की जाती है तो ऐसे करदाताओं के विरुद्ध कुर्की, संपत्ति सीलबंदी सहित अन्य

वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने शहर के सभी नागरिकों और करदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि वे 31 मार्च से पहले अपना बकाया संपत्तिकर एवं अन्य करों का भुगतान कर दें, ताकि अनावश्यक कार्रवाई से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि 31 मार्च के बाद बकाया करों की वसूली 17 प्रतिशत अधिभार के साथ की जाएगी। करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम परिसर में स्थित टैक्स काउंटर तथा सभी जोन कार्यालयों के काउंटर 31 मार्च तक शनिवार और रविवार को भी सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे। इसके साथ ही नगर निगम दुर्ग द्वारा https://municipalcorporation.in /ऑनलाइन संपत्तिकर भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है, जिससे नागरिक घर बैठे ही अपना कर जमा कर सकते हैं। नगर निगम प्रशासन ने शहर के सभी करदाताओं से अपील की है कि वे समय रहते अपना कर जमा कर नगर विकास कार्यों में सहभागी बनें तथा अधिभार और दंडात्मक कार्रवाई से बचें।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर दुर्ग से स्वास्थ्य सुरक्षा की बड़ी शुरुआत

सांसद विजय बघेल के करकमलों से एचपीवी वैक्सीन अभियान का शुभारंभ

दुर्ग। दुर्ग जिले में बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण और सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए जीवन रक्षक एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन अभियान का शुभारंभ दुर्ग सांसद विजय बघेल के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर अभिजीत सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे तथा उन्होंने अभियान के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की सभी बालिकाओं तक यह जीवन रक्षक वैक्सीन पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव संभव हो सके। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार महिलाओं में पाए जाने वाले

प्रमुख कैंसर में सर्वाइकल कैंसर एक गंभीर समस्या है और अनुमानतः प्रत्येक 6 कैंसर पीड़ित महिलाओं में से 1 महिला इस बीमारी से प्रभावित होती है। समय पर टीकाकरण से इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी की उपस्थिति में स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई। उनके मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग ने जिले में व्यापक स्तर पर टीकाकरण की तैयारी प्रारंभ कर दी है। कलेक्टर द्वारा जिला अस्पताल दुर्ग के सिविल सर्जन डॉ. आशीष कुमार मिंज को निर्देशित किया गया कि सभी टीकाकरण स्थलों पर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा सिविल सर्जन दुर्ग ने बताया कि यह टीका जिला अस्पताल में सुबह 9 बजे से 2 बजे तक लगेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत के स्वास्थ्य विभाग की अध्यक्ष सु प्रिया साहू भी उपस्थित रहीं और अभियान के सफल संचालन हेतु अपना सहयोग प्रदान किया। वहीं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या वास्तव, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव ग्लैड, जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर सी.बी. बंजारे उपस्थित रहे। सामान्य रूप से बाजार में इस वैक्सीन की कीमत लगभग 4000 रुपये तक होती है, किंतु शासन की पहल और जिला प्रशासन के प्रयासों से इस अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक बालिकाओं तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बैठक में 17 मार्च से 21 अप्रैल तक आयोजित होने वाले शिशु संरक्षक माह (एसएसएम) के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की गई। कलेक्टर द्वारा सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि आवश्यक माइक्रोप्लान तैयार कर 6 माह से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि शिशु संरक्षक माह के अंतर्गत संचालित टीकाकरण, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को सफल बनाया जा सके। जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वित प्रयासों से इस अभियान को सफल बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। जिला प्रशासन ने सभी अभिभावकों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण जनहितकारी अभियान में सक्रिय सहयोग करें तथा पात्र बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवाकर उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में बने बारिश के सिस्टम के असर बस्तर में दिखेगा, हल्की फुहारे पड़ेगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मार्च के पहले हफ्ते से ही जोरदार गर्मी पड़ने लगी है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में अभी से मई जैसी गर्मी का एहसास होने लगा है। राजनांदगांव जिले का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। राज्य का तापमान सामान्य से 4 डिग्री के करीब ज्यादा दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, गर्मी से फ्लिहाल राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। हालांकि बस्तर के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, बस्तर संभाग के कुछ जगहों पर हल्की बारिश की संभावना हो सकती है। गरज चमक के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। इसके साथ ही कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। बारिश के बाद तापमान में 3-5 डिग्री की गिरावट आ सकती है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, झारखंड में बने बारिश के सिस्टम के असर बस्तर में दिखाई दे सकता है। बीते 24 घंटों में सबसे अधिक अधिकतम तापमान राजनांदगांव का दर्ज किया गया है। राजनांदगांव का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार हो गया है। वहीं, सबसे कम तापमान अंबिकापुर जिले का है। अंबिकापुर का तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस के करीब है। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी रायपुर में जोरदार गर्मी की शुरुआत हो गई है। आने वाले दिनों में गर्मी से राहत मिलने की फ्लिहाल कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही है।

महिला कांग्रेस की प्रेस वार्ता गैस कीमतों और अंतरराष्ट्रीय हालात पर केंद्र सरकार से सवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस ने रायपुर स्थित राजीव भवन में पत्रकार वार्ता आयोजित कर देश में गैस की बढ़ती कीमतों और वर्तमान हालात को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस की प्रवक्ता वंदना राजपूत और महिला कांग्रेस की प्रवक्ता प्रगति वाजपेयी ने संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित किया। वंदना राजपूत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के चलते देश में गैस की कीमतों और आपूर्ति को लेकर चर्चा हो रही है। उनका कहना था कि बढ़ती कीमतों का असर सीधे आम लोगों, विशेषकर महिलाओं की रसोई पर पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस विषय पर स्पष्ट जानकारी और राहत के उपायों की अपेक्षा जताई। उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी से लोगों पर आर्थिक दबाव बढ़ा है। उनके अनुसार सरकार को इस स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। वहीं महिला कांग्रेस की प्रवक्ता प्रगति वाजपेयी ने कहा कि देश में पहले भी कई मौकों पर लोगों को विभिन्न परिस्थितियों के कारण लंबी कतारों और परेशानियों का सामना करना पड़ा है।

महतारी वंदन योजना से बढ़ा आत्मविश्वास, ईति समददार बन रही हैं परिवार का मजबूत सहारा

रायपुर। प्रदेश सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा रही है। माना कैम्प की निवासी श्रीमती ईति समददार इस योजना से लाभ पाकर अपने परिवार के लिए एक मजबूत सहारा बनती जा रही हैं।श्रीमती ईति समददार बताती हैं कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शुरू की गई महतारी वंदन योजना उनके जैसे कई परिवारों के लिए मददगार साबित हो रही है। इस योजना के तहत उन्हें हर महीने 1000 ? की राशि सीधे उनके बैंक खाते में मिल रही है, जिससे उन्हें आर्थिक सहारा मिला है।वे बताती हैं कि इस राशि का उपयोग वे अपनी बेटी के सुकन्या समृद्धि खाते में जमा करने के साथ-साथ घर के रोजमर्रा के खर्चों में भी कर रही हैं। इसके अलावा वे एक छोटी सी बुटीक चलाती हैं और इस राशि से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में भी मदद मिल रही है।श्रीमती ईति समददार का कहना है कि इस योजना से उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मविश्वास भी मिला है। अब वे परिवार की जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा पा रही हैं और भविष्य के लिए नई योजनाएं भी बना रही हैं।

रायपुर के ज्वेलरी शॉप से सोने का हार चोरी कर भागी महिला दुर्ग में पकड़ाई

रायपुर। राजधानी रायपुर के टिकरापारा थानाक्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी शॉप से सोने का रानी हार लेकर भागी महिला को पुलिस ने दुर्ग से गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि टिकरापारा थाना क्षेत्र के लालपुर स्थित ज्वेलरी दुकान के संचालक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12.03.26 को दोपहर करीब 3:30 बजे एक महिला और एक युवक उनकी ज्वेलरी दुकान पर सोने का रानी हार खरीदने के बहाने आए। उस समय दुकान में उनके पुत्र भी मौजूद थे। जिस पर दोनों महिला को रानी हार दिखाए। खरीदारी के दौरान महिला ने चालाकी से सोने का रानी हार, सोने की चांद बाली, सोने की अंगूठी, चांदी की पायल तथा चांदी की बिछिया पहन ली और यह कहते हुए बहाना बनाया कि उसकी एक सहेली बैंक से पैसे लेकर आ रही है।

विपक्ष का वाक आउट

अवैध प्लाटिंग वालों को मंत्री का संरक्षण मिलने का आरोप

■ विधानसभा में सवालों की बौछार...

रायपुर। विधानसभा में आज धमतरी व कांकेर जिले में अवैध प्लाटिंग के मामले को विपक्ष ने जमकर उठाया। अवैध प्लाटिंग के कार्यों में लिप्त लोगों को राजस्व मंत्री का संरक्षण मिल रहा है आरोप लगाते हुए विपक्ष सदन से वाक आउट कर गया। प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक श्रीमती अंबिका मरकाम का सवाल था कि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 से लेकर 31 जनवरी 2026 तक की स्थिति में धमतरी में व कांकेर जिले में अवैध प्लाटिंग और कॉलोनियों की कितनी शिकायतें प्राप्त हुईं? कुल कितने खसरों की शिकायतें प्राप्त हुई हैं, उसमें से कितने खसरों की जांच हो चुकी है? जिले में अवैध प्लाटिंग एवं अवैध कालोनियों पर कार्रवाई करने हेतु सक्षम अधिकारी कौन है एवं उनके व्दारा अभी तक क्या कार्रवाई की गई है? कार्यवाही प्रक्रियाधीन है तो कब से प्रक्रियाधीन है और किस अधिकारी के पास प्रक्रियाधीन है? अवैध प्लाटिंग और अवैध कॉलोनी के लिए कौन-कौन से अधिकारी-कर्मचारी जिम्मेदार हैं? क्या इनके विरूद्ध कोई शिकायत प्राप्त हुई है? अगर हां, तो क्या कार्रवाई की गई?राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा कि ओर से जवाब आया कि प्रश्नावधि में धमतरी जिले में अवैध प्लाटिंग की कुल 3 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जो 3 खसरों से संबंधित है। 2 खसरों की जांच अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) व्दारा किया गया है। 1 खसरे की जांच धमतरी नगर निगम के अधिकारी व्दारा किया गया। कांकेर जिले में अवैध प्लाटिंग एवं अवैध कॉलोनी के संबंध में कुल 5 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जो 175 खसरों से संबंधित हैं। इनमें से 8 खसरों की जांच हो चुकी है तथा 167 खसरों की जांच प्रक्रियाधीन है। अवैध प्लाटिंग एवं अवैध कॉलोनी पर कार्यवाही करने हेतु नगरीय क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम, 1961 अंतर्गत मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बन्धन तथा शर्तें) नियम 2013 अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सक्षम प्राधिकारी हैं। जिला धमतरी में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 10 प्रकरणों तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 39 प्रकरणों पर कार्यवाही करते हुए निर्मित अवैध मुरूम रोड हटाया गया एवं मार्ग विच्छेदन किया गया। कुछ स्थानों पर अवैध प्लाटिंग हेतु गाड़े गये खुटों एवं बाउंड्रीवाल को हटाया गया। कांकेर जिले में कुल 14 खसरों के क्रय विक्रय पर रोक लगाई गई है। धमतरी जिले में अवैध प्लाटिंग एवं अवैध कॉलोनी के लिये जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी की जानकारी निरंक है। अम्बिका मरकाम ने पूछा कि शिकायतों के बाद भी कार्यवाही क्यों नहीं की गई? मंत्री ने कहा कि धमतरी जिले में अवैध प्लाटिंग एवं अवैध कॉलोनी निर्माण के लिए दोषी पाते हुए 3 पटवारियों का इंक्रीमेंट रोका गया है और 3 पटवारियों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। तहसीलदार को भी नोटिस दिया गया है। धमतरी-कांकेर ही नहीं पूरे प्रदेश में अवैध प्लाटिंग व अवैध कॉलोनी निर्माण को रोकने के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति का गठन किया गया है, जिसमें एसपी एवं जिला पंचायत सीईओ सदस्य होते हैं। अम्बिका मरकाम ने पूछा कि धमतरी एवं कांकेर वाले मामले की क्या आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से जांच कराएंगे? मंत्री ने कहा कि जांच के लिए हमारा विभाग सक्षम है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इस तरह का प्रश्न प्रत्येक सत्र में आता है। पूर्व में ओंकार शाह ने पूछा। अब अम्बिका मरकाम ने पूछा। अजय चंद्राकर भी चिंतित हैं। अब तक प्रदेश में कितनी अवैध कॉलोनियां हैं और कितनों को नोटिस दिए हैं? कितनों के खिलाफ कार्यवाही हुई है? धमतरी जिले में पटवारी को निलंबित किए तो क्या उसे आरोप पत्र दे दिया गया? नहीं देने वाली स्थिति में फिर बहाल होने में समय नहीं लगता। मंत्री ने कहा कि तत्काल में पूरे प्रदेश की जानकारी देना संभव नहीं है। धमतरी जिले में 3 पटवारी तत्काल प्रभाव से निलंबित किए गए। 1 की वेतन वृद्धि रोकी गई। 5 पटवारियों का दूसरे क्षेत्रों में स्थानांतरण किया गया है। कांग्रेस विधायक ओंकार साहू ने कहा कि आपके लिखित उत्तर में कार्यवाही के नाम पर जवाब निरंक आया है और यहां बता रहे हैं कि कार्यवाही हुई। आप तो हमारे धमतरी जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं। आपने कहा था कि साथ चलकर भौतिक सत्यापन करेंगे, लेकिन आपने समय ही नहीं दिया। मंत्री ने कहा कि भौतिक सत्यापन का काम तहसीलदार करेंगे। ओंकार शाह ने कहा कि धमतरी में जहां अवैध प्लाटिंग हो रही वहां लाइट-पानी जैसी सुविधा नहीं है। दलाल जमीन बेचकर निकल जाते हैं। अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ क्या कार्यवाही होगी? मंत्री ने कहा कि धमतरी के गोकुल नगर में कार्यवाही हुई। धमतरी से लगे ग्रामीण क्षेत्रों की बात करें तो डिमार, श्यामतराई, रुद्री समेत अन्य ग्रामों में अवैध कॉलोनी की शिकायत मिलने पर कार्यवाही की गई। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि विकृत शहरीकरण बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यह बता दिया जाता है कि एसआईआर चलते रहने के कारण कार्यवाही प्रभावित हुई है। बता दें कि अवैध कॉलोनियां कब बनीं और एसआईआर कब शुरु हुआ? भूपेश बघेल ने कहा कि मंत्री का धमतरी को लेकर अलग उत्तर है और कांकेर को लेकर अलग। गोल-मोल जवाब आया है।

रायपुर रेलवे स्टेशन के कैफे में दो गुटों के बीच मारपीट

रायपुर। संवाददाता

राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन परिसर स्थित एक कैफे में शाम दो गुटों के बीच जमकर मारपीट की घटना सामने आई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद इलाके की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब 5 बजे कुछ युवक कैफे में पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वे नशे की हालत में थे और वहां मौजूद कुछ लड़कियों पर कथित रूप से अभद्र टिप्पणी कर रहे थे। इस बात का विरोध करने पर वहां मौजूद अन्य युवकों के साथ उनका विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गया। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे चल रहे हैं और कैफे में रखी कुर्सियां व अन्य सामान भी एक-दूसरे पर फेंके जा रहे हैं। अचानक हुए इस हंगामे से कैफे में अफ्रा-तफ्री मच गई और वहां मौजूद कई लोग डर के कारण बाहर निकल गए। यह घटना रायपुर रेलवे स्टेशन के जीआरपी थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद जीआरपी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि वीडियो के आधार पर संबंधित युवकों की पहचान की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की घटनाएं सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। वहीं कैफे के संचालक और कर्मचारियों ने भी घटना को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि इससे उनके व्यवसाय और सुरक्षा व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। फिलहाल पुलिस ने कैफे में लगे सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच के बाद दोषियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गोल बाजार में गांजा लेकर घूम रहा बुजुर्ग पकड़ाया

रायपुर। राजधानी रायपुर के गोलबाजार में ट्राली और पिट्ठू बैग लेकर गांजा लेकर घूम रहे एक बुजुर्ग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है और उसके पास से 6 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट टीम को सूचना मिली कि गोलबाजार क्षेत्रांतर्गत स्थित दाई कोरा भवन के सामने एक व्यक्ति बैग में गांजा रखा है तथा कहीं जाने की फिराक में है। उक्त सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राईम एण्ड साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (मध्यक्षेत्र) उमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों एवं प्रभारियों को सूचना की तस्दीक कर आरोपी को मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

जो खुद लिक्विड नशे के सिंडिकेट के संरक्षक रहे हों

उन्हें नशे पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं-ठोकने

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने अफीम की खेती के खुलासों के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सख्त निर्देशों के आलोक में हो रही जाँच, आरोपियों की गिरफ्तारी और अवैध सम्पत्तियों की जब्ती आदि की कार्रवाइयों के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा की जा रही बयानबाजी को पूर्व मुख्यमंत्री की राजनीतिक कुण्ठा और अपने सियासी वजूद को बचाए रखने की नाकाम कोशिश बताया है। श्री ठोकने ने कहा कि बघेल द्वारा आज अफीम की खेती और नशे के कारोबार के बारे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पूरी जानकारी इकट्ठी करने के लिए ताकीद किया जा रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री रहते हुए बघेल को शराब और सूखे नशे के कारोबार को रोकने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को इस तरह की नसीहत देना मुनासिब क्यों नहीं लगा भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि जिस कांग्रेस ने अपने पांच साल के शासनकाल में छत्तीसगढ़ की युवा पीढ़ी को नशे की गर्त में धकेला, आज उसी कांग्रेस के नेता बघेल नैतिक पतन की पराकाष्ठा पार कर भाजपा पर मिथ्या आरोप लगाकर अपनी ओछी राजनीति का प्रदर्शन कर रहे हैं। भूपेश सरकार के कार्यकाल में 2 हजार करोड़ रुपए से अधिक का शराब घोटाला हुआ, जिसने छत्तीसगढ़ के राजस्व को चूना लगाया। आज उनके खुद के बेटे और करीबी सहयोगी जांच एजेंसियों के घेरे में हैं। जो खुद लिक्विड नशे के सिंडिकेट के संरक्षक रहे हों, उन्हें नशे पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

भारत मंडपम में छत्तीसगढ़ की जल योद्धाओं की गूंजी आवाज

■ नई दिल्ली में आयोजित अमृत मित्र महोत्सव में शामिल हुईं राज्य की 75 महिलाएं

रायपुर। संवाददाता

केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित अमृत मित्र महोत्सव में छत्तीसगढ़ की जल योद्धाओं ने अपनी आवाज बुलंद की। राज्य की दो महिलाओं, बिलासपुर नगर निगम की श्रीमती रुक्मिणी गोस्वामी और लोरमी की श्रीमती हेमलता खत्री ने केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल की मौजूदगी में देशभर की 1000 अमृत मित्रों के साथ अपने कार्यों के अनुभव साझा किए। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (2.0) के तहत शहरी जल प्रबंधन एवं सतत विकास में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करने इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमें छत्तीसगढ़ की 75 अमृत मित्र महिलाओं ने भागीदारी की। ये महिलाएं राज्य के विभिन्न नगरीय निकायों में वृक्षारोपण, जल गुणवत्ता परीक्षण, जल संरचना संचालन तथा सामुदायिक जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने विगत 11 मार्च को रायपुर रेलवे स्टेशन में हरी झंडी दिखाकर महिलाओं के इस दल को नई दिल्ली के लिए रवाना किया था। अमृत मित्र महोत्सव में भागीदारी करने वाली स्वसहायता समूहों की ये महिलाएँ 'वीमेन फॉर ट्री' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण, हरित क्षेत्रों के संरक्षण तथा पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। छत्तीसगढ़ की ये अमृत मित्र महिलाएँ अपने-अपने शहरों में तकनीकी और सामुदायिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभा रही हैं। घरों तक सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने जल गुणवत्ता के परीक्षण, जल उपचार संयंत्रों और वितरण नेटवर्कों के संचालन तथा रखरखाव में सहयोग के साथ ही जल संरक्षण तथा कचरे से कंचन जैसे अभियानों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक करने का महत्वपूर्ण काम ये महिलाएं कर रही हैं।

वन क्षेत्र में आग लगाने वाला आरोपी रंगे हाथ पकड़ा,गिरफ्तार

रायपुर। वनमण्डल बलरामपुर के अंतर्गत वन परिक्षेत्र बलरामपुर में वन क्षेत्र में आग लगाने के मामले में एक व्यक्ति को मौके पर पकड़कर गिरफ्तार किया गया है। वनमण्डलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी के निर्देशन तथा उपवनमण्डलाधिकारी अनिल कुमार सिंह पैकरा के मार्गदर्शन में वन विभाग की टीम द्वारा कार्रवाई की गई। वन परिक्षेत्र बलरामपुर के सर्किल बादर, बीट पीपराही के वन कक्ष क्रमांक पी-3335, वनखण्ड रामचौरा के काठोपानी नामक स्थान पर संतोष पिता भागीरथी, निवासी ग्राम बरदर को वन क्षेत्र में आग लगाते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। घटना के संबंध में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 22043/04 दिनांक 14.03.2026 दर्ज किया गया है। आरोपी के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33(1)(घ) तथा वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 9 के तहत कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग ने आरोपी संतोष को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जप्ती एवं कार्यवाही के दौरान वन परिक्षेत्राधिकारी निखिल सक्सेना के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौजूद रही। टीम में वनपाल प्रहलाद तिवारी, घासी राम तथा वनरक्षक देवीलाल, राजेश राम, संजीव सिंह और अजीत कुजूर शामिल थे, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार कार्रवाई की।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना से सुरक्षित मातृत्व को मिल रहा संबल....

■ बलरामपुर की श्रीमती शशी को मिला पोषण और स्वास्थ्य जांच का सहारा

रायपुर/ संवाददाता

गर्भावस्था के दौरान माताओं को पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना प्रभावी साबित हो रही है। योजना के माध्यम से प्रदेश की हजारों महिलाओं को सहायता मिल रही है, जिससे सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा मिल रहा है। इसी कड़ी में बलरामपुर जिले के विकासखंड राजपुर अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र कोडाकुपारा की निवासी श्रीमती शशी को योजना से बड़ी राहत मिली। सीमित आय वाले परिवार से संबंध रखने वाली श्रीमती शशी के लिए गर्भावस्था के दौरान पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करना आसान नहीं था। मजदूरी पर निर्भर रहने के कारण अतिरिक्त खर्च की चिंता बनी रहती थी। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत उन्हें कुल 5000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जिसमें पहली किश्त के रूप में 3000 रुपये और दूसरी किश्त के रूप में 2000 रुपये उनके खाते में जमा किए गए। इस सहायता राशि से उन्होंने पौष्टिक आहार लिया और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन और बेहतर देखभाल के परिणामस्वरूप उन्होंने एक स्वस्थ बालिका को जन्म दिया, जिसका जन्म के समय वजन 2.8 किलोग्राम रहा। वर्तमान में नियमित स्तनपान और संतुलित देखभाल से शिशु का विकास स्वस्थ रूप से हो रहा है और परिवार में खुशी का माहौल है। प्रदेश में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि फरवरी 2026 की स्टेट-वाइज राष्ट्रीय रैंकिंग में छत्तीसगढ़ ने बड़े राज्यों की श्रेणी में देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। जारी आंकड़ों के अनुसार राज्य ने 93.37 प्रतिशत नामांकन, 83.87 प्रतिशत स्वीकृति दर और 93.95 प्रतिशत शिकायतों के त्वरित समाधान के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक राज्य में 1 लाख 86 हजार 586 गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया जा चुका है और 72 करोड़ 24 लाख 89 हजार रुपये की राशि सीधे हितग्राही महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है।

छात्र स्टार्टअप एवं नवाचार नीति के लिए 5 करोड़ का प्रावधान

कौशल विकास,तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग का वर्ष 2026-27 का बजट पारित

■ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तकनीकी शिक्षा का विस्तार, जगरगुंडा और ओरछा में नए आईटीआई

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र फरवरी-मार्च 2026 में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने विभागीय बजट प्रस्तुत किया। मंत्री ने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास के लिए कृषि, उद्योग, शिक्षा, सेवाएं और प्रौद्योगिकी प्रमुख क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों के विकास के लिए कुशल इंजीनियरों और तकनीकी कौशल से युक्त मानव संसाधन का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। राज्य सरकार तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के समुचित विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने बताया कि प्रदेश के 33 जिलों में वर्तमान में 4 छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 2 शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, 1 सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रायपुर, 1 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई तथा 20 निजी इंजीनियरिंग महाविद्यालय संचालित हैं। वहीं पॉलीटेक्निक क्षेत्र में 3 सीजीआईटी पॉलीटेक्निक, 35 शासकीय पॉलीटेक्निक, 1 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग तथा 14 निजी पॉलीटेक्निक संस्थान संचालित हैं। इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में 11 हजार 528 तथा पॉलीटेक्निक संस्थानों में 8,408 सीटें उपलब्ध हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग का बजट वर्ष 2018 में 265.49 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर वर्ष 2026-27 में 372.35 करोड़ रुपये हो गया है। मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहेब ने बताया कि राज्य में विश्वस्तरीय तकनीकी मानव संसाधन तैयार करने के उद्देश्य से रायगढ़, जगदलपुर, कबीरधाम, जशपुर, रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की स्थापना के लिए 12.02 करोड़ रुपये तथा मशीन और उपकरणों की खरीद के लिए 98 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

संपादकीय

बालेंद्र शाह की जीत से नेपाल की राजनीति में नया अध्याय शुरु

नेपाल में हुए चुनाव के नतीजे आने के बाद देश की राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। नई पीढ़ी के अगुआ बने बालेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने कई दिग्गजों और पुरानी पार्टियों को भारी शिकस्त दी है। अगर सब कुछ उम्मीद के अनुरूप हुआ और बालेंद्र शाह को ही नेता चुना गया, तो नेपाल के संसदीय इतिहास में वे सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे। अब तक वहां जितने भी प्रधानमंत्री बने हैं, वे कभी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।माना जा रहा है कि दो-तिहाई सीटों पर जीत के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल कर चुकी आरएसपी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। देश में पिछले दिनों हुए चुनावों में नागरिकों और विशेषकर युवा वर्ग ने इस पार्टी पर जिस तरह भरोसा किया है, उसके मद्देनजर नेपाल में भावी सरकार के सामने जन आकांक्षाओं को पूरा करने की बड़ी चुनौती होगी। वहीं नई सरकार को घरेलू समस्याओं से निपटने के साथ देश के आर्थिक विकास में आए ठहराव को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उसे पड़ोसी देशों खासकर भारत से संबंध बेहतर बनाने के भी प्रयास करने होंगे। पुरानी सरकार के कामकाज के जिस तरीके के खिलाफ वहां युवा वर्ग के भीतर व्यापक आक्रोश पैदा हुआ, उसे बदलना सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा। नेपाल के लोगों का मानना है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह के भीतर देश की राजनीति और नीतियों को बदल सकने की क्षमता है। दरअसल, शाह को महापौर के अपने कार्यकाल में जमीनी स्तर पर सुधार के कई कार्यों के लिए जाना जाता है। चुनावी नतीजों के बाद अब उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने के साथ व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव करेंगे। नई सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती रोजगार सृजन की भी होगी। नेपाल में बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है और बड़ी संख्या में वहां के युवा वर्षों से काम के लिए पलायन करते रहे हैं। बहरहाल, नेपाल में छह महीने पहले व्यवस्था में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर नई पीढ़ी के व्यापक आंदोलन से उभरे बालेंद्र शाह और उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सबकी उम्मीदों पर कितना खरा उतरेंगे, देश को किस तरह की वैकल्पिक राजनीति देंगे, यह देखने की बात होगी। नेपाल ने अपना नेता चुन लिया है। चुनाव परिणामों से साफ है कि बालेन शाह जनता की पहली पसंद हैं। मतलब ये कि बालेन शाह नेपाल के नए प्रधानमंत्री होंगे। बालेन शाह ने चार बार के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को लगभग 50,000 वोटों के भारी अंतर से हराया। सितंबर में युवाओं के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों के बाद ओली की निर्वाचित सरकार के पतन के बाद नेपाल में यह पहला चुनाव था। नेपाल भारत का एक महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है। आइए जानते हैं कि बालेन शाह की जीत का नई दिल्ली पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

धूम्रपान मुक्त पीढ़ी ही है स्वस्थ भविष्य की बुनियाद

(योगेश कुमार गोयल)

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है लेकिन दुर्भाग्य से धूम्रपान और तंबाकू की लत इस अमूल्य धन को तेजी से नष्ट कर रही है। हर साल मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान की आदत छोड़ने के लिए प्रेरित करना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। इस वर्ष यह दिवस 11 मार्च को मनाया जा रहा है। यह एक ऐसा अवसर है, जब लोग अपने जीवन में एक नई शुरुआत कर सकते है और धूम्रपान मुक्त जीवन की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। हर वर्ष इस दिन एक विशेष थीम के साथ लोगों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश दिया जाता है। इस वर्ष का संदेश है 'धूम्रपान से मुक्त जीवन की शुरुआत एक धूम्रपान-मुक्त दिन से होती है।' इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति केवल एक दिन भी धूम्रपान से दूरी बना ले तो वह आगे चलकर इसे पूरी तरह छोड़ने की दिशा में पहला कदम उठा सकता है।

तंबाकू और निकोटीन की लत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तंबाकू के कारण हर वर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है। इनमें से करीब 70 लाख लोग सीधे धूम्रपान करने वाले होते हैं जबकि लगभग 12 लाख लोग ऐसे होते है, जो स्वयं धूम्रपान नहीं करते लेकिन दूसरों के धुएं के संपर्क में आने के कारण गंभीर बीमारियों का शिकार बन जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि धूम्रपान केवल करने वाले व्यक्ति को ही नहीं बल्कि उसके आसपास रहने वाले परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि दुनिया के कई देशों में धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी आई है लेकिन इसके बावजूद चिंता का विषय यह है कि युवाओं और किशोरों में तंबाकू के उपयोग की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है।

वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के लगभग 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे हैं। ई-सिगरेट और अन्य नए निकोटीन उत्पादों ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। आकर्षक पैकेजिंग, फ्लेवर और डिजिटल मार्केटिंग के जरिए इन उत्पादों को युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाने की कोशिश की जा रही है। विज्ञापन प्रतिबंधों के बावजूद सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से युवाओं को लक्ष्य बनाकर प्रचार किया जाता है। इस कारण किशोरों में तंबाकू की लत तेजी से फैल रही है,

जो भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। तंबाकू के दुष्प्रभाव केवल कैंसर तक सीमित नहीं हैं। यह शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है और दुनिया में होने वाली फेफड़ों के कैंसर से लगभग 85 प्रतिशत मौतें धूम्रपान के कारण होती हैं। इसके अलावा तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस और कई अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों को जन्म देता है। लंबे समय तक तंबाकू का सेवन करने से मुंह, गले, पेट, लीवर और आंतों के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है।

तंबाकू की समस्या भारत में भी काफी गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के 25 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन करते हैं। इनमें अधिकांश पुरुष हैं लेकिन महिलाओं में भी इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। भारत में तंबाकू सेवन के कई रूप प्रचलित हैं, जैसे खैनी, गुटखा, पान मसाला, जर्दा और सुपारी के साथ तंबाकू का सेवन। इन उत्पादों की आसान उपलब्धता और कम कीमत के कारण लोग जल्दी इसकी लत के शिकार हो जाते हैं। विभिन्न शोधों में यह भी सामने आया है कि तंबाकू से होने वाली बीमारियों का इलाज बहुत महंगा होता है। यदि तंबाकू के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं पर इसका आर्थिक बोझ बहुत अधिक बढ़ सकता है। मुंह के कैंसर के मामलों में भारत पहले से ही दुनिया के कई देशों से आगे है और इसका मुख्य कारण तंबाकू तथा गुटखे का व्यापक उपयोग है।

धूम्रपान केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याओं को भी जन्म देता है। तंबाकू की लत व्यक्ति को धीरे-धीरे निर्भर बना देती है। कई युवाओं में यह लत अवसाद, चिंता और आत्मविश्वास की कमी जैसी मानसिक समस्याओं को भी जन्म देती है। जब किशोरावस्था में यह आदत लग जाती है तो उसे छोड़ना बेहद कठिन हो जाता है और इसका प्रभाव उनके पूरे जीवन पर पड़ता है। धूम्रपान के खतरों को देखते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता है। सरकारों ने तंबाकू नियंत्रण के लिए कई कानून बनाए हैं, सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाया है और तंबाकू उत्पादों पर चेतावनी संदेश भी अनिवार्य किए हैं। इसके बावजूद केवल कानून से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों जरूरी हैं। पत्रकारिता के अपने लंबे अनुभव के दौरान मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर व्यापक अध्ययन किया है। वर्ष 1993 में मेरी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' प्रकाशित हुई थी, जिसमें तंबाकू और अन्य नशों से होने वाले भयानक परिणामों का विस्तार से उल्लेख किया गया था। उस समय भी यह चेतावनी दी गई थी कि यदि समाज ने समय रहते नशे के खिलाफ जागरूकता नहीं बढ़ाई तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। आज तीन दशक बाद भी यह चिंता उतनी ही प्रासंगिक दिखाई देती है।

बहरहाल, नो स्मोकिंग डे हमें याद दिलाता है कि जीवन का हर पल अमूल्य है और इसे किसी भी तरह की लत के कारण बर्बाद नहीं किया जाना चाहिए। धूम्रपान छोड़ना कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। यदि व्यक्ति दृढ़ निश्चय कर ले और परिवार तथा समाज का सहयोग मिले तो वह आसानी से इस लत से मुक्त हो सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि हम स्वयं भी धूम्रपान से दूर रहें और दूसरों को भी इसके खतरों के बारे में जागरूक करें। आखिरकार, एक स्वस्थ समाज की शुरुआत स्वस्थ व्यक्तियों से ही होती है। यदि हम तंबाकू से दूरी बनाकर जीवन को अपनाएं तो न केवल अपना स्वास्थ्य सुरक्षित रख सकते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक बेहतर और सुरक्षित वातावरण तैयार कर सकते हैं। इसलिए इस नो स्मोकिंग डे पर संकल्प लें कि तंबाकू का साथ छोड़कर हर सांस को कीमती बनाएंगे और जीवन को स्वस्थ, सुरक्षित और खुशहाल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे।(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा वर्ष 1993 में नशे के दुष्प्रभावों पर पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

दान का पात्र कौन

(अक्षय शुक्ला)

80 के दशक में कमल हासन की एक साइलेंट फिल्म आई थी पुष्पक। फिल्म का एक सीन है, जिसमें भिखारी की मौत के बाद उसे उठाने आई निगम की टीम पास रखे बोरे को झाड़ती है तो उसमें से सैकड़ों नोट हवा में उड़ने लगते हैं, जिन्हें लूटने की होड़ मच जाती है। खैर, यह तो रही फिल्म की बात

कमाई के इन आंकड़ों से आप समझ सकते हैं कि देश में हर जगह इतने भिखारी क्यों दिखाई देते हैं। हों भी क्यों न, इस ताज़ा रिपोर्ट को ही देख लीजिए, जो कहती है कि भारत में लोग धर्मस्थलों के बाद सबसे ज्यादा पैसे भिखारियों को देते हैं।

लेकिन इस तरह के पैसे वाले भिखारियों की खबरें भी कम नहीं। अभी कुछ समय पहले इंदौर के करोड़पति भिखारी ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। तीन मकानों का मालिक यह शख्स शॉफर ड्रिवन कार में भीख मांगने जाता था। तीन ऑटो किराए पर दिए हुए थे। यही नहीं, वह ब्याज पर कर्ज भी देता था। इससे पहले करोड़ों की संपत्ति वाले मुंबई के एक अमीर भिखारी की खबर भी आई थी। मकानों के अलावा उसकी कई दुकानें थीं, जिनसे अच्छा खासा किराया आता था।

कमाई के इन आंकड़ों से आप समझ सकते हैं कि देश में हर जगह इतने भिखारी क्यों दिखाई देते हैं। हों भी क्यों न, इस ताज़ा रिपोर्ट को ही देख लीजिए, जो कहती है कि भारत में लोग धर्मस्थलों के बाद सबसे ज्यादा पैसे भिखारियों को देते हैं। अशोका यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सोशल इम्पैक्ट एंड फिलांथ्रपी की रिपोर्ट 'हाउ इंडिया गिव्स' के मुताबिक हर दस में से सात भारतीय किसी न किसी रूप में दान करते हैं, लेकिन सबसे अधिक धर्मस्थलों को। दूसरा बड़ा हिस्सा भिखारियों की झोली में जाता है। सामाजिक सुधार और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं को सबसे कम दान मिलता है। जबकि विदेश में ऐसे एनजीओ को सबसे अधिक डोनेशन मिलता है।

जब भिखारियों पर यह देश इतने पैसे लुटाएगा तो हर गली में उनका दिखना स्वाभाविक है। लेकिन बहुत से लोग जानते ही नहीं कि सड़क पर फटेहाल बैठे दीन-हीन दिखने वाले शख्स पर दया दिखाकर आप उसकी मदद नहीं कर रहे, बल्कि इस दलदल में और गहरा धकेल रहे हैं। दिन भर मिलने वाला सारा पैसा इनकी जेब में नहीं जाता बल्कि कोई और बटोरकर ले जाता है। कितनी रिपोर्ट में आ चुका है कि एक पूरा सिंडिकेट है, जो बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों का इस्तेमाल इस धंधे के लिए करते हैं।

इसका सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पहलू है जानबूझकर विकलांग बनाना या नवजातों को चुराकर उनका भीख मांगने में इस्तेमाल क्योंकि इन पर लोग अधिक दया दिखाते हैं।

यूरोप का हुआ बुरा हाल

रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देश अब मास्को से मांग रहे गैस और तेल

हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। ईरान से जुड़े तनाव और संभावित आपूर्ति बाधा की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं। सप्ताह की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत प्रति बैरल सौ डॉलर से ऊपर पहुंच गई। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कीमतों में कुछ गिरावट आई, फिर भी युद्ध से पहले की तुलना में तेल करीब सत्ताइस प्रतिशत महंगा बना हुआ है।

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है।

जो यूरोप कल तक रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा रहा था और उससे गैस तथा तेल खरीदने वाले देशों पर पेनल्टी लगाने की मांग करते हुए यूक्रेन के साथ खड़ा नजर आ रहा था, वही यूरोप अब मध्य पूर्व में संकट गहराते ही फिर से रूस की ओर देखने लगा है। दरअसल अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष तथा फारस की खाड़ी में तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडराने लगा है। ऐसे में ऊर्जा संकट से जूझता यूरोप रूस से गैस और तेल की संभावित आपूर्ति को लेकर नई चर्चा कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और ऊर्जा बाजार दोनों में रूस को अप्रत्याशित लाभ की स्थिति में ला खडा किया है।

हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। ईरान से जुड़े तनाव और संभावित आपूर्ति बाधा की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं। सप्ताह की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत प्रति बैरल सौ डॉलर से ऊपर पहुंच गई। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कीमतों में कुछ गिरावट आई, फिर भी युद्ध से पहले की तुलना में तेल करीब सत्ताइस प्रतिशत महंगा बना हुआ है।

ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति का सबसे

बड़ा आर्थिक लाभ रूस को मिल सकता है। रूस पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातकों में शामिल है।

यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने उस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन अब ऊर्जा बाजार में उथल पुथल के कारण इन प्रतिबंधों का प्रभाव कम होता दिखाई दे रहा है। ऊंची कीमतों के कारण रूस को अपने तेल निर्यात से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

अमेरिका ने भारत को भी कथित रूप से अस्थायी छूट देते हुए रूसी कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दी है। इस निर्णय के बाद रूस के तेल निर्यात में तेजी आई है। पहले जहां रूसी तेल लगभग पचास डॉलर प्रति बैरल के आसपास बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत करीब नब्बे डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इससे रूस को राजस्व में भारी बढ़ोतरी मिल रही है।

ऊर्जा बाजार के आंकड़े बताते हैं कि समुद्र में टैंकरों पर जमा रूसी तेल का भंडार भी तेजी से कम हो रहा है, जिससे स्पष्ट है कि खरीदार देशों तक आपूर्ति तेजी से पहुंच रही है। फरवरी के अंत तक जहां टैंकरों में लगभग एक सौ बत्तीस मिलियन बैरल रूसी तेल जमा था, वहीं अब यह घटकर करीब एक सौ अठारह मिलियन बैरल रह गया है। इसका अर्थ है कि वैश्विक बाजार में रूसी तेल की मांग फिर बढ़ने लगी है।

यदि मध्य पूर्व में संघर्ष लंबा चलता है और खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात बाधित होता है तो रूस को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ऊंची कीमतों और आपूर्ति संकट के चलते रूस को आय में कई अरब डॉलर का अतिरिक्त लाभ हो सकता है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी संकेत दिया है कि यदि यूरोपीय देश राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक सहयोग चाहते हैं तो रूस उन्हें फिर से तेल और गैस आपूर्ति करने को तैयार है। पुतिन का कहना है कि रूस ने कभी यूरोप के साथ ऊर्जा सहयोग से इंकार नहीं किया, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप ने स्वयं रूसी ऊर्जा पर निर्भरता कम करने का निर्णय लिया था।

हम आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले यूरोप अपनी गैस जरूरतों का चालीस प्रतिशत से अधिक हिस्सा रूस से खरीदता था। लेकिन प्रतिबंधों और वैकल्पिक स्रोतों की खोज के कारण यह हिस्सा घटकर वर्ष 2025 तक लगभग तेरह प्रतिशत रह गया। यूरोपीय संघ ने समुद्री मार्ग से आने वाले रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था और कई पाइपलाइन मार्ग भी बंद हो गए थे।

हालांकि मौजूदा संकट में स्थिति बदलती दिखाई दे रही है। यूरोप ने अभी तक रूसी तरल प्राकृतिक गैस पर पूर्ण प्रतिबंध लागू नहीं किया है और प्रस्तावित योजना के अनुसार इसे 2027 तक धीरे धीरे समाप्त किया जाना है। इस कारण यूरोप के कुछ देश आपूर्ति संकट की स्थिति में फिर से रूसी गैस खरीदने पर विचार कर सकते हैं।

फिर भी रूस की क्षमता पूरी तरह असीमित नहीं है। वर्षों से लगे प्रतिबंधों और यूक्रेन से हुए हमलों के कारण उसकी ऊर्जा अवसंरचना के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा जहाजरानी और बीमा से जुड़ी बाधाएं भी रूसी निर्यात को सीमित करती हैं। वैसे रूस का अधिकांश तेल फिलहाल भारत और चीन जैसे सीमित खरीदारों को ही जा रहा है।

इसके बावजूद मौजूदा वैश्विक परिस्थिति का सामरिक महत्व बहुत बड़ा है। मध्य पूर्व में युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बना हुआ है। रूस के पास विशाल तेल और गैस भंडार हैं और संकट के समय यह उसे आर्थिक और कूटनीतिक दोनों तरह का प्रभाव प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर यूरोप के सामने भी एक कठिन विकल्प खड़ा हो गया है। यदि मध्य पूर्व से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है तो उसे अपने पुराने ऊर्जा स्रोत यानी रूस की ओर फिर से देखना पड़ सकता है। इस प्रकार मध्य पूर्व का युद्ध केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा संतुलन और भू राजनीतिक शक्ति समीकरण को भी नए सिरे से आकार दे रहा है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कभी नक्सल खौफ में जीने वाला गोगुंडा, अब सुरक्षा बलों की पहल से दिखा भरोसे का माहौल

कोंटा। विकासखंड के दूरस्थ गांव गोगुंडा में अब बदलाव की नई तस्वीर सामने आ रही है। कभी नक्सल गतिविधियों और डर के माहौल में जीने वाले इस गांव में अब सुरक्षा बलों की पहल से भरोसे का वातावरण बन रहा है। इसी क्रम में सीआरपीएफ 74वीं वाहिनी द्वारा गांव में पहली बार ग्रामीणों के लिए दैनिक उपयोग के सामान का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम डीआईजी आनंद राजपुरोहित के दिशा-निर्देश और कमांडेंट हिमांशु पांडे के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें डॉक्टर सुरेश और असिस्टेंट कमांडेंट अंकित सिंह भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों ग्रामीणों को खाद्य सामग्री, कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं। दूर-दराज के गांवों से महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे बड़ी संख्या में कार्यक्रम स्थल पहुंचे। सामान मिलने पर ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। कई ग्रामीणों ने बताया कि पहले वे सुरक्षा बलों से डरते थे, लेकिन अब उन्हें महसूस हो रहा है कि जवान उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए भी प्रयास कर रहे हैं। सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे सिविक एक्शन प्रोग्राम, चिकित्सा शिविर और सामाजिक गतिविधियों से ग्रामीणों में विश्वास बढ़ा है। गोगुंडा में आयोजित यह कार्यक्रम भी उसी पहल का हिस्सा रहा, जिसका उद्देश्य ग्रामीणों से संवाद बढ़ाना और उन्हें सुरक्षा का भरोसा देना है। बदलते हालात के बीच अब ग्रामीण भी ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, जिससे क्षेत्र में भरोसे और विकास की नई उम्मीद दिखाई दे रही।

जिला स्तरीय प्रमाण- पत्र सत्यापन समिति को जाति प्रमाण-पत्र निरस्त करने का अधिकार नहीं : हाईकोर्ट

कोंटा। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की एकल पीठ ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि जिला स्तरीय प्रमाण-पत्र सत्यापन समिति को पूर्व में जारी जाति प्रमाण-पत्र को निरस्त करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने यह टिप्पणी एर्राबोर के प्राचार्य के. यशवंत रामा के जाति प्रमाण-पत्र निरस्त करने के आदेश को रद्द करते हुए की। न्यायालय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग सामाजिक परिस्थिति के प्रमाणीकरण का विनियमन अधिनियम, 2013 के अनुसार जिला समिति को यदि किसी प्रमाण-पत्र पर संदेह हो तो उसे स्वयं निरस्त करने के बजाय उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति को जांच के लिए भेजना होता है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता लवकुमार रामटेके ने कोर्ट को बताया कि के. यशवंत रामा को वर्ष 1992 में तत्कालीन तहसीलदार भोपालपट्टनम (जिला बस्तर) द्वारा मन्नेवार अनुसूचित जाति का जाति प्रमाण-पत्र जारी किया गया था। इसी प्रमाण-पत्र के आधार पर उन्हें वर्ष 2002 में शिक्षा विभाग में नौकरी मिली और तब से वे आरक्षित वर्ग के तहत विभागीय लाभ व पदोन्नति प्राप्त करते आ रहे हैं। आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा से लगे क्षेत्र होने के कारण भाषा और उच्चारण के अंतर के चलते कहीं-कहीं मन्नेवार को मन्नेपोड भी लिखा गया है, जिसे लेकर शिकायतें की गई थीं। सुनवाई के दौरान यह भी सामने आया कि आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा मन्नेवार (मन्नेपोड) जाति का नृजातीय अध्ययन अभी पूर्ण रूप से नहीं हुआ है, जिसके कारण जारी जाति प्रमाण-पत्र को सीधे तौर पर गलत या फर्जी नहीं कहा जा सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि जिला स्तरीय समिति स्वयं इस मामले में संदेह की स्थिति में है, इसलिए उसके द्वारा प्रमाण-पत्र निरस्त करने का आदेश उचित नहीं है। न्यायालय ने आदेश को निरस्त करते हुए शासन द्वारा इस मामले में किसी भी प्रकार की वैधानिक कार्रवाई पर भी रोक लगा दी।

मिनपा में सीआरपीएफ का सिविक एक्शन कार्यक्रम ग्रामीणों को बांटे जरूरतमंद सामान और लगाया मेडिकल कैम्प

सुकमा। जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र के ग्राम मिनपा स्थित सीआरपीएफ कैम्प में 131वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कमांडेंट दीपक कुमार साहू की उपस्थिति में आयोजित हुआ, जिसमें आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम में ग्राम रेन्गापारा, पटेलपारा, जूपारा और ताड़मेटला के ग्रामीण मिनपा स्थित सीआरपीएफ कैम्प पहुंचे। कमांडेंट के मार्गदर्शन में सहायक कमांडेंट संजय कुमार और एफ/131 वाहिनी की टीम ने ग्रामीणों के लिए कार्यक्रम का आयोजन कर जरूरतमंद सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर 131 बटालियन के चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहित मीणा द्वारा मेडिकल कैम्प भी लगाया गया। मेडिकल कैम्प में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों का जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां भी वितरित की गई। डॉ. मोहित मीणा ने ग्रामीणों को मलेरिया से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी देते हुए समय पर इलाज कराने की सलाह दी। कार्यक्रम में शामिल सभी ग्रामीणों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। गौरतलब है कि चिंतागुफा थाना क्षेत्र का मिनपा गांव कभी नक्सलियों का सुरक्षित ठिकाना माना जाता था, जहां उनकी चौबीसों घंटे मौजूदगी रहती थी। लेकिन मिनपा में सीआरपीएफ कैम्प स्थापित होने के बाद स्थिति में बदलाव आया है। सीआरपीएफ अधिकारियों द्वारा लगातार ग्रामीणों के साथ बैठक कर उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि सुरक्षा बलों की तैनाती गांव के विकास और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए की गई है। इस पहल के बाद से ग्रामीणों और सीआरपीएफ के बीच बेहतर संबंध स्थापित हुए हैं। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

मिशन कनेक्ट कार्यक्रम के तहत 7 करोड़ रुपये के कार्यों को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

कोंटा। संचालित मिशन कनेक्ट कोंटा के अंतर्गत क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इसी क्रम में सभी सरपंचों को विभिन्न विकास कार्यों के लिए लगभग 7 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति (एएस) प्रदान की गई है, जिससे पंचायत स्तर पर आवश्यक निर्माण एवं जनहित के कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जा सकेगा। बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा कोंटा क्षेत्र में निर्माणाधीन प्रशासनिक परिसरों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। वर्तमान में क्षेत्र के 11 स्थानों पर प्रशासनिक परिसर का निर्माण कार्य किया जा रहा है, ताकि ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय सेवाएं एक ही स्थान पर सुगमता से उपलब्ध हो सकें। समीक्षा के दौरान जिला सीईओ जिला पंचायत ठाकुर ने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और समय-सीमा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन परिसरों के निर्माण से ग्रामीणों को प्रशासनिक सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर उपस्थित सरपंचों और जनप्रतिनिधियों को भी निर्माण कार्यों की निगरानी एवं जवाबदेही की महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया गया। उन्हें निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने ग्रामों में चल रहे कार्यों की नियमित निगरानी करें और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत मुकुन्द ठाकुर, जनपद पंचायत कोंटा अध्यक्ष कुसुमलता कवासी, एसडीएम कोंटा सुभाष शुक्ला, सीईओ जनपद कोंटा सुमित ध्रुव सहित जनप्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध शराब बिक्री पर कार्यवाही, 7.500 लीटर हाथ भट्ठी से बनी महुआ शराब को पुलिस ने किया जप्त

कांकेर। जिले में अपराध नियंत्रण हेतु पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर मोहसीन खान (रा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में जिले में चलाए जा रहे अपराध मुक्त समाज बनाने उजियारा अभियान के तहत अवैध शराब के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 14.03.2026 को थाना चारामा पुलिस टीम ग्राम भ्रमण एवं शराब रेड अभियान पर रवाना हुई थी। भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बागडोंगरी में एक व्यक्ति अपने घर में अवैध रूप से हाथ भट्ठी से बनी महुआ शराब बिक्री के लिए रखे हुए है। सूचना की तस्दीक कर पुलिस टीम गवाहों के साथ मौके पर पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति के घर पर रेड कार्यवाही की। मौके पर मिले व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम ईश्वर नेताम पिता समारूराम नेताम, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम बागडोंगरी थाना चारामा जिला कांकेर बताया। गवाहों के समक्ष तलाशी लेने पर उसके कब्जे से अलग-अलग 06 बोतलों में भरी हुई हाथ भट्ठी की बनी कुल 7.500 लीटर महुआ शराब तथा नगदी 200 रुपये बरामद की गई, जिसे मौके पर जप्त कर सीलबंद किया गया।आरोपी द्वारा अवैध रूप से शराब रखने एवं बिक्री करने का अपराध पाए जाने पर उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 47/2026 धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई।गिरफ्तार आरोपी का विवरण :ईश्वर नेताम, पिता समारूराम नेताम, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम बागडोंगरी थाना चारामा जिला कांकेर।

भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत किरन्दुल वार्ड क्रमांक 4 में किया जा रहा है मकान सूचीकरण कार्य

किरन्दुल। भारत की जनगणना 2027 के तहत किरन्दुल के विभिन्न वार्डों में मकानसूचीकरण का कार्य किया जा रहा हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार को वार्ड क्रमांक 04 में मकान सूचीकरण का कार्य किया गया। जिसमें पालिका कर्मचारियों द्वारा घर घर जाकर मकान में क्रमांक लिखा गया। नगरपालिका सीएमओ शशिभूषण महापात्र ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर के सभी दुकानों एवं घरों की गणना किया जाना है नगर में कुल 18 वार्ड है जिसमें मकान सुचिकरण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराया जाएगा। इसमें राजस्व उप निरीक्षक नरेश साहू, सहायक राजस्व निरीक्षक गौरीशंकर तिवारी, मनराखन ठाकुर, मानसिंह नाग, मनीषा ठाकुर, कमलेश पाल, अश्विन, नरेश पाल, अंकल नेताम, सुमंत पटेल, महिला कर्मचारी, आदि कर्मचारीगण मौजूद रहे।

7 साल की उम्र से पूरे रोज़े रखते हैं शेख फहीम

सुकमा। पवित्र माह रमजान में जहां बड़े-बुजुर्ग इबादत में जुटे हैं, वहीं सुकमा के पटनमपारा में एक नन्हा बच्चा अपनी आस्था और अनुशासन से सबका ध्यान आकर्षित कर रहा है। यहां रहने वाले शेख अब्दुल रहीम के 10 वर्षीय पुत्र शेख अब्दुल फ़हीम पिछले तीन वर्षों से नियमित रूप से पूरे रोज़े रख रहे हैं।

फहीम ने महज 7 साल की उम्र में रोज़ा और नमाज़ की शुरुआत की थी। तब से लेकर अब तक उन्होंने एक भी रोज़ा और नमाज़ नहीं छोड़ी है। छोटी सी उम्र में उनकी इस लगन और धार्मिक अनुशासन को देखकर परिवार और मोहल्ले के लोग भी उनकी सराहना कर रहे हैं। फहीम के पिता शेख अब्दुल रहीम बताते हैं कि शुरू में उन्हें चिंता थी कि इतनी कम उम्र में बेटा पूरे दिन का रोज़ा निभा पाएगा या नहीं, लेकिन फ़हीम की इच्छा इतनी मजबूत थी कि उसने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ रोज़ा रखना शुरू कर दिया। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि फ़हीम न सिर्फ रोज़ा रखते हैं बल्कि समय पर नमाज़ अदा कर इबादत में भी पूरी तल्लीनता दिखाते हैं। उनकी इस लगन से आसपास के बच्चों को भी प्रेरणा मिल रही है। नन्ही उम्र में दिख रही यह धार्मिक निष्ठा और अनुशासन आज पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है और क्षेत्रवासी फ़हीम के जज़्बे पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

पत्रकार रौनक वाले मामले में सुकमा प्रेसक्लब की एकजुट आवाज, निष्पक्ष जांच की मांग के लिए सौंपा ज्ञापन

सुकमा। दंतेवाड़ा जिले के गीदम के पत्रकार रौनक से जुड़े हालिया मामले को लेकर सुकमा जिले के प्रेसक्लब के पत्रकारों में गहरी चिंता देखने को मिल रही है। प्रेस क्लब सुकमा के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है।

ज्ञापन की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर को भी सौंपी गई है। पत्रकारों ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करने वाले पत्रकारों के साथ होने वाली ऐसी घटनाएं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा आघात हैं। इससे न केवल पत्रकारों में असुरक्षा की भावना बढ़ती है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था भी प्रभावित होती है। मामले को लेकर दंतेवाड़ा में पत्रकारों की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराने का निर्णय लिया गया। इसी के तहत सुकमा जिला मुख्यालय में पत्रकारों ने एक घंटे का मौन धारण कर एकजुटता का संदेश दिया।

प्रेस क्लब ने मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करते हुए दोषियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून को प्रभावी रूप से लागू किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। प्रेस क्लब सुकमा के अध्यक्ष संजय सिंह भदौरिया और सचिव पवन शाह, उपाध्यक्ष अमन भदौरिया/जगदीश महेश्वरी, कार्यसमिति सदस्य रिजेंट गिरी, बालकराम, गौरव सिंह राठौर, भानु भदौरिया, सूर्यपाल सिंह समस्त जिला पत्रकार संघ के समस्त पदाधिकारियों सदस्यों ने एक सुर में कहा कि पत्रकारों के हितों और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए इस संवेदनशील मामले में उचित कार्रवाई और न्याय आवश्यक है।

निलावाया में बटेर चूजों का वितरण

कोंटा। विकासखंड के दूरस्थ गांव निलावाया में देखने को मिला, जहां पशुधन विकास विभाग द्वारा 26 यूनिट कुक्कुट (बटेर) चूजों का सफलतापूर्वक वितरण किया गया। यह पहल न केवल ग्रामीणों के लिए आय के नए अवसर सृजित करेगी, बल्कि उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। कलेक्टर अमित कुमार के कुशल निर्देशन और मार्गदर्शन में तथा पशुपालन विभाग के उपसंचालक डॉ. संदीप इंदुरकर के सक्रिय प्रयासों से यह योजना धरातल पर सफलतापूर्वक क्रियान्वित की गई। प्रशासन की यह पहल स्पष्ट करती है कि शासन की योजनाएं अब दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों तक भी प्रभावी रूप से पहुंच रही हैं। बटेर पालन एक ऐसा व्यवसाय है जिसमें कम लागत में अधिक लाभ की संभावना होती है। इसके माध्यम से ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। जिला प्रशासन द्वारा नियद क्षेत्रों में हितग्राही मूलक योजनाओं के माध्यम से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि ग्रामीणों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके और उनका सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित हो सके।

कांकेर में निपुण भारत मिशन के तहत 24,542 बच्चों का अंतर संकुल एफएलएन मूल्यांकन

कांकेर। जिले में प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की बुनियादी साक्षरता और गणितीय दक्षताओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए निपुण भारत मिशन के अंतर्गत व्यापक स्तर पर अंतर संकुल ख्र्व्र्फ्र (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी) मूल्यांकन अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के कक्षा 1 से 3 तक के कुल 24,542 छात्र-छात्राओं की पठन, लेखन एवं गणितीय दक्षताओं का गतिविधि आधारित तरीके से आकलन किया जा रहा है। यह पूरी प्रक्रिया जिला कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी निलेश कुमार क्षीरसागर तथा जिला पंचायत सीईओ हरेश कुमार मंडावी के निर्देशानुसार संचालित की जा रही है। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद और जिला मिशन समन्वयक (डीएमसी) नवनीत कुमार पटेल के मार्गदर्शन में जिले भर में यह शैक्षणिक गतिविधि प्रभावी ढंग से क्रियान्वित की जा रही है। जिले के कुल 243 संकुलों में यह मूल्यांकन कार्य आयोजित किया गया है। प्रत्येक संकुल में संकुल प्राचार्य सहित चार आकलनकर्ता, दो पीएलसी सदस्य तथा एक एफएलएन मेंटर की टीम गठित की गई है। इस प्रकार जिले में कुल 1458 आकलनकर्ताओं की सहभागिता से यह व्यापक मूल्यांकन अभियान संचालित हो रहा है।इस आकलन का मुख्य उद्देश्य प्रारंभिक कक्षाओं के विद्यार्थियों में पढ़ने, लिखने और गणित की मूलभूत क्षमताओं की वास्तविक स्थिति का पता लगाना है, ताकि बच्चों के अधिगम स्तर को समझकर उन्हें बेहतर बनाने के लिए प्रभावी शैक्षणिक रणनीति तैयार की जा सके। मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान आकलनकर्ता दल द्वारा विद्यालयों का भ्रमण कर विद्यार्थियों की पठन क्षमता, लेखन कौशल तथा संख्यात्मक समझ का परीक्षण किया जा रहा है। यह परीक्षण गतिविधि आधारित पद्धति से किया जा रहा है, जिससे बच्चों की वास्तविक दक्षताओं का आकलन सहज और प्रभावी ढंग से हो सके। प्राप्त आंकड़ों को निर्धारित प्रपत्रों में संकलित कर विद्यालयवार, संकुलवार और विकासखण्ड स्तर पर उनका विश्लेषण किया जाएगा।इस पहल के माध्यम से उन विद्यार्थियों की पहचान भी की जाएगी जिन्हें पढ़ने-लिखने या गणितीय समझ में अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए विशेष सुधारात्मक शिक्षण योजना तैयार की जाएगी, ताकि वे भी निपुण भारत मिशन के निर्धारित अधिगम लक्ष्यों तक पहुँच सकें।

जिला प्रशासन का मानना है कि

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर में प्रोफेशनल चोर गिरोह का धावा, 4 लाख के जेवर पार

बिलासपुर । शहर के सरकंडा थाना क्षेत्र में रविवार रात एक प्रोफेशनल चोर गिरोह ने सूने मकान को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। नकाब और ग्लव्स पहने चोरों ने बेहद शातिर अंदाज में घर का दरवाजा काटकर सेंट्रल लॉक तोड़ा और अंदर घुसकर सोने-चांदी के जेवरों पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की पूरी घटना छ्ष्ठञ्जङ्क कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें आरोपी अपनी पहचान छिपाते नजर आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मोपका क्षेत्र स्थित विवेकानंद रेसिडेंसी निवासी इंजीनियर नितेश रंजन पिछले 8 दिनों से घर में ताला लगाकर बिहार के औरंगाबाद गए हुए थे। 15 मार्च को कॉलोनी के लोगों ने उनके घर में चोरी की सूचना दी। मौके पर पहुंचने पर परिजनों ने देखा कि घर का दरवाजा टूटा हुआ था और अंदर से करीब 4 लाख रुपए के जेवर गायब थे। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए एसएसपी रजनेश सिंह ने मौके का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि छ्ष्ठञ्जङ्क फुटेज के आधार पर जल्द आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

भीषण गर्मी में मानवता का संदेश : राहगीरों व पशु-पक्षियों के लिए करें जल की व्यवस्थाः कलेक्टर

बिलासपुर। बढ़ती गर्मी को देखते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आमजन, नगरीय निकायों, ग्राम पंचायतों एवं समाजसेवी संस्थाओं से मानवीय पहल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि गर्मी के इस मौसम में राहगीरों, पशु-पक्षियों और गौवंश को पानी की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, ऐसे में सभी को मिलकर उनके लिए पानी की व्यवस्था करनी चाहिए.कलेक्टर ने नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों से प्रमुख स्थानों पर राहगीरों के लिए प्याऊ खोलने की अपील की है, ताकि लोगों को गर्मी में राहत मिल सके। उन्होंने नागरिकों से भी आग्रह किया कि वे अपने घरों के बाहर टब,बर्तन या सकोरा में पानी भरकर रखें, जिससे पशु-पक्षियों, गौवंश और आवारा कुत्तों को पानी के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने कहा कि हर वर्ष समाजसेवी संस्थाएं इस तरह के पुण्य कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। इस वर्ष भी सभी संस्थाएं और नागरिक आगे आकर सेवा भाव से इस अभियान में सहयोग करें, ताकि भीषण गर्मी के दौरान अधिक से अधिक जीवों को राहत मिल सके।

राताखार में अवैध निर्माण पर निगम ने कार्यवाही कर चलाया बुल्डोजर, क्षेत्र में मचा हड़कंप

कोरबा। नगर निगम कोरबा द्वारा अवैध अतिक्रमण और निर्माण के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में आज सुबह-सुबह राताखार बाइपास रोड के पास नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण पर बुल्डोजर चलाया। निगम की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ भी जुट गई। जानकारी के अनुसार, राताखार बाइपास रोड के पास किए गए अवैध निर्माण और अतिक्रमण को लेकर नगर निगम को शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इसके बाद निगम प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आज सुबह कार्रवाई की। नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर बुल्डोजर और अन्य संसाधनों की मदद से अवैध निर्माण को हटाना शुरू किया। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर सीएसपी कोरबा, कोतवाली टीआई सहित भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया और सुरक्षा व्यवस्था के बीच कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस की मौजूदगी के चलते किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हुई। नगर निगम की इस कार्रवाई को शहर में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि शासकीय भूमि, सड़क किनारे और सार्वजनिक उपयोग की जगहों पर किए गए अवैध निर्माण को किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आने वाले समय में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

ऑपरेशन शांतिः कोरबा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 85 वारंटी गिरफ्तार

कोरबा । जिले में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस द्वारा सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत ऑपरेशन शांति चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटघोरा नीतीश ठाकुर के मार्गदर्शन में जिले के सभी थाना और चौकी प्रभारियों को वारंटियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे।

वित्तीय वर्ष की अंतिम दौड़ : 15 दिन में लक्ष्य पूरा करने कलेक्टर के सख्त निर्देश

किसानों से लेकर सोलर योजना तक,हर मोर्चे पर तेजी के निर्देश-अग्रवाल

■ टीएल बैठक में सख्त संदेश : समय पर काम, तभी बेहतर एसीआर : कलेक्टर

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित टीएल (समय-सीमा) बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के शेष लक्ष्य पूर्ति की विभागवार गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि वित्तीय वर्ष के समापन में अब मात्र दो सप्ताह शेष हैं, ऐसे में सभी विभाग युद्धस्तर पर कार्य करते हुए लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकारियों की एसीआर (वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट) कार्य प्रदर्शन और लक्ष्य पूर्ति के आधार पर ही लिखी जाएगी। बैठक में वन भूमि अधिकार के तहत लगभग 3 हजार तैयार पट्टों के शीघ्र वितरण के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को हर साल मिलने वाली 6 हजार रुपये की सहायता को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी पात्र किसानों का ई-केवाईसी पूर्ण कराने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि मृत किसानों के वारिसों को भी योजना का लाभ दिलाने हेतु उनका नाम रिकॉर्ड दर्ज किया जाए। वर्तमान में जिले के 25 से 30 हजार किसान अभी भी सम्मान निधि योजना से वंचित हैं। कलेक्टर ने बताया कि इस वर्ष लगभग 5 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गर्मी धान का रकबा कम हुआ है। इस क्षेत्र में वैकल्पिक एवं लाभकारी फसलों को बढ़ावा देने, किसानों को आदान सहायता उपलब्ध कराने और उन्हें प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि जिले में अब तक 2,692 सोलर प्लांट स्थापित हो चुके हैं, जबकि 7 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। योजना को गति देने के लिए कलेक्टर ने संबंधित विभागों और हाउसिंग सोसाइटियों की संयुक्त बैठक बुधवार को आयोजित करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया कि सभी स्कूलों में बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जहां यह सुविधा नहीं है, वहां सर्वे कर नए निर्माण के प्रस्ताव भेजे जाएं तथा पुराने जर्जर शौचालयों की मरम्मत कराई जाए। पीएचई विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि 635 हैंडपंपों का जलस्तर नीचे चला गया है, जिनमें राइजिंग पाइप बढ़ाने का कार्य जारी है। कलेक्टर ने निर्माण विभागों को सूखे तालाबों की गहराई बढ़ाने हेतु मिट्टी-मुरूम निकालने के प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि जल संग्रहण क्षमता बढ़ाई जा सके। इसके साथ ही निर्माण एजेंसियों को स्वीकृत कार्यों में तेजी लाने, सड़कों का निर्माण चौड़ाई में करने तथा अर्जित भूमि का 15 दिनों के भीतर शासन के पक्ष में नाम पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने यह भी कहा कि माननीय हाई कोर्ट के निर्देशों और निर्णयों का समय-सीमा में पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अवमानना की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन, सीएम की घोषणा, पीएम पोर्टल, विभिन्न आयोगों और वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त पत्रों के निराकरण की समीक्षा की गई। बैठक में निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

खारंग के संगम में प्रेस क्लब बेलतरा का रहा धुम-उमेश....

प्रेस क्लब बेलतरा का दूसरा होली मिलन कार्यक्रम खुटाघाट रेस्ट हाउस में संपन्न

बिलासपुर। खारंग जलाशय खुटाघाट में 17 मार्च को बेलतरा प्रेस क्लब का होली मिलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उमेश गौरहा विधायक प्रतिनिधि, अध्यक्षता जनक राम देवांगन, जिला महामंत्री, विशिष्ट अतिथि अशोक धूलियानी संचालक तीवरता कोल वासरी, महेश तिवारी, रामदत्त गौरहा, सुनील श्रीवास धीरेंद्र सिंह परिहार, जागेंद्र कश्यप, भरत कश्यप, सुरेश कश्यप, कृष्ण कुमार यादव, उमेश साहू, डॉ श्याम सोनी, डॉ राजेश दुबे, पदुम सिंह कोरम, प्रदीप पांडे, ओम गोस्वामी, सतीश यादव, संतोष (चिंटू) सोनी, गुरुदेव सोनी, विजय दानिकर राजेश जायसवाल सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहा। कार्यक्रम का शुरुआत मां सरस्वती की छायाचित्र में दीप प्रज्वलित कर शुरुआत की गई। उमेश गौरहा अपने उद्बोधन में कहा प्रेस क्लब बेलतरा होली मिलन खारंग जलाशय के संगम में अर्थात बेलतरा, रतनपुर, सीपत तीनों प्रेस क्लब के संयुक्त उपस्थिति एक प्रकार की संगम ही है जो अपने आप में गौरव का विषय है। अशोक धूलियानी ने कहा बेलतरा प्रेस क्लब हमेशा एक अच्छे कार्य समय-समय पर करते रहते हैं और जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी की उपस्थिति होती रहती है जिससे क्षेत्र की समस्याएं भी समाधान होती रहती है यह अपने आप में एक महत्वपूर्ण कार्य है। जनक राम देवांगन ने कहा प्रेस क्लब बेलतरा नवरात्रि के पूर्व आपसी सद्भाव का प्रतीक संदेश दिया है यह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है।

गर्मी के शुरुआती दौर में मौसम ने बदली करवट, बारिश के साथ ओले भी गिरे.....

कोरबा। गर्मी के शुरुआती दौर में ही मौसम ने करवट बदली है। मौसम संबंधी चेतावनी के बीच छत्तीसगढ़ में मौसम काफी तेजी से बदला है। आज कोरबा जिले में भी शाम की शुरुआत में हल्की से तेज आंधी कई स्थानों में चली है। कई स्थानों पर तेज तो कई जगह मध्यम बारिश हुई तो कुछ इलाकों में बारिश की बूंद भी नहीं गिरी। मौसम के इस बदले मिजाज के कारण आम और चार की फसल लेने वाले किसानों को नुकसान की संभावना बनी हुई है साथ ही जिन्होंने रबी की फसल ली है, उन्हें भी नुकसान संभावित है। शहर क्षेत्र में मध्य और तेज बारिश तो ग्रामीण इलाकों में ओले भी गिरे हैं।

कोरबा शहर क्षेत्र में पहले बूंदाबांदी और फिर मध्यम स्तर की बारिश हुई। बारिश की वजह से सामान्य जनजीवन पर असर पड़ा। इससे पूर्व आंधी-तूफान चलने के कारण लोग अपने सामानों को सहेजते,समेटते नजर आए। तेज हवा की वजह से राखड़ और कोल डस्ट की बारिश भी प्रभावित इलाकों में जमकर हुई। बालको क्षेत्र में तेज बारिश की खबर है कटघोरा इलाके में जमकर बारिश हुई है तो पोड़ी उपरोड़ा क्षेत्र में भी बारिश तेज दर्ज की गई। पाली इलाके में मध्यम स्तर की बारिश की सूचना है। करतला विकासखंड अंतर्गत कई स्थानों पर तेज हवाओं के चलने तो कुछ मध्यम बारिश होने के साथ-साथ ओले गिरने की भी खबर है।

बताया गया कि करतला ब्लॉक के ग्राम चाम्पा, चचिया, करतला-कुदमुरा के मध्य जमकर ओले गिरे हैं। इसी तरह कोरबा ब्लाक अंतर्गत ग्राम डीडासरई, देवपहरी बड़गांव आदि इलाकों में भी ओले गिरे हैं। यह मौसम ग्रामीणों के लिए चैंकाने वाला रहा जिसमें तेज आंधी तूफान और बारिश तो ठीक लेकिन ओले भी गिरे। लगभग एक से डेढ़ घंटे की बारिश ग्रामीण इलाकों में दर्ज की गई है। बारिश और खासकर ओले गिरने की वजह से किसानों को नुकसान सम्भावित है। मौसम के बदले मिजाज के मध्य बिजली की भी आंख मिचैली चलती रही। शहर क्षेत्र में कुछ समय के लिए बिजली गुल करने के बाद बहाल कर दी गई तो वहीं उपनगरीय व ग्रामीण, दूरस्थ इलाकों, पाली, रामपुर करतला में घंटे भर से अधिक समय से बिजली गुल रही।

संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने किया सम्मानित......

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 17 मार्च, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 05 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । बिलासपुर मंडल, झलवारा के श्री शिवम जो यातायात सहायक-ड्डह्र, के पद पर कार्यरत हैं उन्होंने सिग्नल एक्सचेंज के दौरान देखा कि माल गाड़ी में ब्रेकवैन से असामान्य आवाज आ रही है, इन्होने तुरंत स्टेशन मास्टर, झलवारा को सूचित किया, जिसके उपरांत निरीक्षण करने पर ब्रेकवैन में फ्लैट टायर पाया गया । तत्पश्चात, आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी को सुरक्षित रवाना किया गया । इसी प्रकार बिलासपुर मंडल के श्री प्रभात कुमार गोस्वामी ट्रैक मेंटेनर-ड्डह्र, बिलासपुर ने चरू991/15ह से 992/1ह के मध्य ट्रैक में फ्लैश बट वेल्ड फ़्ल्युर देख कर तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया, जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर सुरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए रेलवे ट्रैक को ठीक किया गया । बिलासपुर मंडल के कटोरा स्टेशन में कार्यरत श्री पंकज कुमार,ट्रैक मेंटेनर-ड्डह्र, ने रात्रि कालीन पेट्रोलमैन की अपने ड्यूटी के दौरान शिवप्रसाद नगर स्टेशन से थ्रू जा रही माल गाड़ी के एक वैगन से हॉट एक्सल के कारण निकलते धुआँ और गंध को महसूस किया तथा तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया, जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी को सुरक्षित रवाना किया गया । बिलासपुर मंडल के यांत्रिक (छ×ड्ड), ब्रजराज नगर रेलवे स्टेशन में कार्यरत श्री मुकेश प्रधान, टेकनीशियन-ड्डह्र ने अपनी ड्यूटी के दौरान रेल फ्रैक्चर देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया,जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर रेलवे ट्रैक को ठीक किया गया । नागपुर मंडल नागभीड़ के श्री जगदीश प्रसाद मीना ट्रैक मेंटेनर-ड्डह्र ने रात्रि ट्रैक पैट्रोलिंग के दौरान मूलमरोरा- केलक्षर सेक्शन में कि. मी. 1209/21-1210/01 के मध्य ट्रैक मे फ्लैश बट वेल्ड फ़्ल्युर देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी गईं आमजन की समस्याएं

■ अधिकारियों को दिए त्वरित कार्यवाही के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आम नागरिकों सहित ग्रामीण क्षेत्रों से आए किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में राजस्व एवं प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित आवेदन अधिक मिले। जनदर्शन में नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज धुरीपारा मंगला निवासी पुरूषोत्तम पटेल ने कलेक्टर से मुलाकात कर बताया कि कृषि भूमि में उनके पिताजी के नाम की जगह अन्य व्यक्ति का नाम ऑनलाईन दिख रहा है। जिससे उन्हें भविष्य में जमीन से जुड़े कार्यों में परेशानी आ सकती है। कलेक्टर ने एसडीओ बिलासपुर को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने कहा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बेलगहना के सेवानिवृत्त पुरूष पर्यवेक्षक ने कलेक्टर से सेवानिवृत्ति के पश्चात जीपीएफ राशि का अंतिम भुगतान दिलाने की गुहार लगाई। कलेक्टर ने मामले को सीएमएचओ को सौंपा है। सीपत तहसील के उच्चभट्ठी निवासी किसान संतराम एवं गिरधारी लाल सूर्यवंशी ने किसान सम्मान निधि की राशि नहीं मिलने की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि उन्हें केवल दो किस्त की राशि प्राप्त हुई है उसके बाद की राशि आज दिनांक तक ई-केवायसी कराने के बाद भी नहीं मिल रही है। कलेक्टर ने उप संचालक कृषि को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत दगोरी के सरपंच श्री मथुरा प्रसाद ने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला दगोरी में मूलभूत सुविधाओं जैसे की पेयजल की आपूर्ति, अहाता, शौचालय सहित शिक्षक व्यवस्थाओं के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि शाला में 237 बच्चे वर्तमान में स्कूल में अध्ययनरत है। शौचालय में पानी नहीं है। इस संबंध में शिक्षा विभाग को अवगत कराया जा चुका है लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। तिफरा निवासी श्रीमती अमरिका बाई ने कलेक्टर से मुलाकात कर आवेदन दिया कि महतारी वंदन योजना की भुगतान राशि मिलना बंद हो गया है।

स्व. लखीराम अग्रवाल जी की पुण्य स्मृति में भव्य अखिल भारतीय रात्रिकालीन ड्यूस बाल टी - 20 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

बिलासपुर। स्व. लखीराम अग्रवाल जी की पुण्य स्मृति में बिलासपुर में खेल और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जा रहा है। स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी छत्तीसगढ़ की राजनीति के एक ऐसे कर्मठ, सरल एवं जनप्रिय नेता थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन संगठन और समाज सेवा के लिए समर्पित किया। वे भारतीय जनता पार्टी के सशक्त स्तंभ रहे और उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। युवाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें सकारात्मक दिशा देने की उनकी सोच आज भी प्रेरणास्रोत है। बिलासपुर का राजा रघुराज सिंह स्टेडियम शहर का प्रमुख और ऐतिहासिक खेल केंद्र रहा है। नवंबर 1978 में मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा पहली बार यहाँ रणजी ट्रॉफी मैच आयोजित किया गया था। वर्ष 1978 से 1990 के बीच इस मैदान में कई महत्वपूर्ण रणजी मुकाबले खेले गए, जिससे इस स्टेडियम की पहचान प्रदेश के प्रमुख क्रिकेट मैदानों में बनी। हाल के वर्षों में बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा लगभग 2 करोड़ रुपये की लागत से यहाँ हाई मास्ट फ्लड लाइट स्थापित की गई है, जिससे अब इस मैदान में डे-नाइट मैचों का आयोजन संभव हो गया है। पिछले दो वर्षों से सौंदर्यीकरण कार्य के चलते खेल गतिविधियाँ प्रभावित थीं, लेकिन अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होकर यह स्टेडियम एक बार फिर बड़े आयोजनों के लिए तैयार है। लगभग 10 हजार दर्शक क्षमता वाला यह मैदान खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। इसी नवसज्जित स्टेडियम में पहली बार इतने बड़े स्तर पर अखिल भारतीय रात्रिकालीन ड्यूस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता (टी-20) का आयोजन 21 मार्च से 29 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल सहित 8 राज्यों की टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता की विशेषता यह है कि इसमें शामिल टीमों में रणजी ट्रॉफी एवं इंडियन प्रीमियर लीग में खेल चुके अनुभवी खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार ?5,00,000 एवं ट्रॉफी तथा द्वितीय पुरस्कार ?3,00,000 एवं ट्रॉफी निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही मैन ऑफ द सीरीज के लिए ?51,000 का विशेष पुरस्कार रखा गया है। वहीं प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच के साथ-साथ पूरे टूर्नामेंट में बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर, बेस्ट विकेटकीपर, मोस्ट सिक्सेस जैसे विभिन्न व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए जाएंगे, जिनके लिए आकर्षक इनाम निर्धारित किए गए हैं। खेल प्रेमियों के मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए पूरे टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण यूट्यूब के स्थ्रशहह्लद्मद्दद्गस्रड्ड प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। साथ ही, आईपीएल की तर्ज पर चीयर लीडर्स भी इस आयोजन का आकर्षण बढ़ाएंगी। प्रतियोगिता की तैयारियाँ जोरों पर हैं और इसी क्रम में प्रतियोगिता की ट्रॉफी का भव्य लोकार्पण भी किया जा चुका है। इस भव्य आयोजन के सफल संचालन हेतु एक सशक्त आयोजन समिति का गठन किया गया है, जिसमें शहर के वरिष्ठ एवं अनुभवी क्रिकेटर, राष्ट्रीय स्तर एवं रणजी ट्रॉफी स्तर के खिलाड़ी शामिल हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रवीण दुबे ने बताया कि इस प्रतियोगिता को उच्च स्तरीय और यादगार बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई हैं।

चैत्र अमावस्या के दिन पितृ तर्पण, स्नान-दान का महत्व

चैत्र अमावस्या हिंदू धर्म में कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि है, जिसे दार्श अमावस्या या चैत्र अमावस्या कहा जाता है। यह पितरों को समर्पित दिन है और इसके अगले दिन से हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होती है। चैत्र अमावस्या के दिन पितृ तर्पण, स्नान-दान और विशेष अनुष्ठान करने से पितर प्रसन्न होते हैं, पितृ दोष दूर होता है और परिवार में सुख-समृद्धि आती है। वैदिक पंचांगों के अनुसार, यह तिथि पाप नाश और पुण्य प्राप्ति के लिए अत्यंत फलदायी मानी जाती है। आइए 2026 में इसकी सही तिथि, महत्व और विधि जानते हैं।

चैत्र अमावस्या 2026 की सही तिथि और समय

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 18 मार्च 2026, दिन- बुधवार को सुबह 8:25 बजे शुरू होगी और 19 मार्च 2026, दिन - गुरुवार को सुबह 6:52 बजे समाप्त होगी। चैत्र अमावस्या मुख्य रूप से 18 मार्च 2026 को मनाई जाएगी। अधिकांश पंचांगों में यह तिथि 18 मार्च को ही निर्धारित है, जहां तर्पण और पूजा करना श्रेष्ठ है। पारण या अनुष्ठान तिथि समाप्त होने से पहले पूर्ण करें।

चैत्र अमावस्या का धार्मिक महत्व

चैत्र अमावस्या पितरों की पूजा और शांति का प्रमुख दिन है। शास्त्रों में कहा गया है कि इस दिन किए गए तर्पण, श्राद्ध और दान से पितरों को मोक्ष प्राप्ति होती है और वंशजों पर उनकी कृपा बनी रहती है। यह दिन पिछले जन्म के पापों से मुक्ति और नए साल की सकारात्मक शुरुआत का प्रतीक है। पितृ दोष से पीड़ित लोगों के लिए यह तिथि विशेष उपचारकारी है। साथ ही, कालसर्प दोष निवारण के लिए भी यह दिन उत्तम माना जाता है। इस दिन पूजा करने से स्वास्थ्य, धन और पारिवारिक सुख में वृद्धि होती है।

चैत्र अमावस्या पर जरूरी कार्य और अनुष्ठान

इस दिन मुख्य रूप से पितृ तर्पण और दान किया जाता है। पितृ शांति के लिए तर्पण अनिवार्य है, जो पितृ दोष को कम करता है। पवित्र नदियों (गंगा, यमुना आदि) में स्नान से पिछले जन्म के पाप नष्ट होते हैं। स्नान के बाद तिल, गुड़, वस्त्र, अनाज और काले तिल का दान करें। कालसर्प दोष निवारण के लिए चांदी के नाग-नागिन की पूजा कर उन्हें नदी में प्रवाहित करें। पीपल के पेड़ में जल चढ़ाना और सरसों के तेल का दीपक जलाना भी शुभ है। ये कार्य पितरों को प्रसन्न करते हैं और परिवार पर उनकी कृपा बनी रहती है।

चैत्र अमावस्या की पूजा विधि

सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें (घर पर गंगाजल मिलाकर भी कर सकते हैं)। तांबे के लोटे में जल, लाल चंदन, फूल और काले तिल डालकर सूर्य देव को अर्घ्य दें। पीपल के पेड़ की जड़ में जल चढ़ाएं और शाम को सरसों के तेल का दीपक जलाएं (भगवान विष्णु का वास पीपल में माना जाता है)। दक्षिण दिशा की ओर मुख करके हाथ में काले तिल और जल लेकर पितरों का तर्पण करें (पितरों के नाम से तर्पण करें)। अंत में जरूरतमंद या ब्राह्मण को दान दें और प्रसाद ग्रहण करें। यह विधि श्रद्धापूर्वक करने से पितृ प्रसन्न होते हैं और जीवन में शांति आती है।

क्या हैं मां दुर्गा के धरती पर आने-जाने की सवारी के संकेत

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि नई ऊर्जा, आस्था और नए साल की शुरुआत का प्रतीक है। नौ दिनों तक मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की आराधना की जाती है। साल 2026 के चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से प्रारंभ हो रही है। बता दें कि इस बार देवी दुर्गा का आगमन पालकी पर होगा और माता रानी हाथी पर प्रस्थान करेंगी। मान्यताओं के अनुसार, नवरात्रि में माता की सवारी आने वाले समय का संकेत देती है, इसलिए भक्तों के बीच इसे लेकर काफी उत्सुकता रहती है। तो चलिए जानते हैं क्या है नवरात्रि में मां अंबे के धरती पर आने-जाने की सवारी के मायने।

चैत्र नवरात्रि 2026 कब से कब तक

साल 2026 में चैत्र नवरात्रि 19 मार्च, गुरुवार से आरंभ होगी। यह पर्व नौ दिनों तक मनाया जाएगा और 27 मार्च, शुक्रवार को रामनवमी के साथ समाप्त होगा। नवरात्रि के दौरान श्रद्धालु मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करते हैं और व्रत रखकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना करते हैं।

पालकी पर होगा माता का आगमन

धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवरात्रि जिस दिन से शुरू होती है, उसी के आधार पर देवी के आगमन की सवारी तय मानी जाती है। इस बार नवरात्रि गुरुवार से शुरू हो रही है, इसलिए माता दुर्गा का आगमन पालकी यानी डोली पर माना जा रहा है। देवी पुराण के अनुसार, पालकी पर माता का आगमन शुभ नहीं माना जाता है। ये समाज और प्रकृति में कुछ बदलाव या उतार-चढ़ाव के संकेत देता है। ये इस बात का संकेत है कि देश में आर्थिक मंदी आ सकती है। प्रकृति रौद्र रूप ले सकती है, जिससे भारी तबाही हो सकती है। मां अंबे का डोली पर आना देश-दुनिया में महामारी बढ़ने के भी संकेत देता है।

घटस्थापना से होगी पूजा की शुरुआत

नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना का विशेष महत्व होता है। इसी के साथ हिंदू नववर्ष की शुरुआत भी मानी जाती है। इस दिन घरों और मंदिरों में विधि-विधान से कलश स्थापना की जाती है। ज्योतिष गणना के अनुसार, 19 मार्च को सुबह 6 बजकर 52 मिनट से 7 बजकर 43 मिनट तक घट स्थापना का शुभ मुहूर्त है।

हाथी पर होगी माता की विदाई

नवरात्रि का समापन 27 मार्च को होगा। इस दिन शुक्रवार होने के कारण माता दुर्गा का प्रस्थान हाथी पर माना गया है। धार्मिक परंपराओं में हाथी को समृद्धि, स्थिरता और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इससे अच्छी वर्षा, कृषि में लाभ और आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत मिलते हैं।

आंखे अट्रैक्टिव दिखाने में मददगार मेकअप हैक्स

महिलाएं रोजाना के रुटीन मेकअप के लिए बीबी क्रीम, लिपस्टिक और काजल जैसी जरूरी चीजों का इस्तेमाल करती हैं। हालांकि, आंखों को अट्रैक्टिव बनाने के लिए कुछ महिलाएं रोजाना आईलाइनर भी यूज करती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि बिना आईलाइनर के उन्हें अपनी आंखे सूनी दिखती है। इसे लगाने के बाद आंखे खूबसूरत तो दिखने लगती है लेकिन हर दिन सेम तरह से इसे लगाने पर आपको किसी खास मौके पर अलग लुक नहीं मिलता और आप खास मौकों पर रोजाना की तरह ही दिखती हैं। आंखों को अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप कुछ मेकअप हैक्स को अपना सकती हैं। ये हैक्स आंखों को सुंदर और बड़ा दिखाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

हैक 1 :- आंखों को सुंदर और अट्रैक्टिव बनाने के लिए आप काजल का इस्तेमाल करें। इसके लिए आंखों की वाटर लाइन पर थोड़ा मोटा काजल लगाएं। इसके बाद एक आईशैडो ब्रश लें और काजल को स्मज करें। इस तरीके से काजल लगाकर आंखे बड़ी और सुंदर दिखती हैं। अगर आंखे छोटी हैं तो इस हैक को अपनाएं।

हैक 2 :- आंखों को सुंदर बनाने के लिए मस्कारा काम आ सकता है। बिना किसी मेहनत के अगर आप आकर्षित आई लुक चाहती हैं तो मस्कारा लगाएं। इसे लगाने से लुक हैवी नहीं लगता बल्कि पलकें लंबी और घनी दिखती हैं, जिससे आंखें अपने-आप आकर्षक लगती हैं।

हैक 3 :- बिना आईलाइनर के आंखे सूनी लगती हैं तो आंखों पर हल्के आईशैडो का इस्तेमाल करें। न्यूड, पीच या लाइट ब्राउन आईशैडो कलर आंखों को नैचुरल और सुंदर बनाने का काम करते हैं। आईशैडो ब्रश पर हल्का आईशैडो लें और आंखों पर लगाएं। ब्रश न हो तो उंगली से इसे लगाएं लेकिन अच्छी तरह से मर्ज करें।

हैक 4 :- ब्राउन आईब्रो पेंसिल भी आपके काम आ सकती है। आईलाइनर की जगह आप ब्राउन रंग के आईब्रो पेंसिल को लगाएं और फिर अपनी उंगली मदद से ही इससे हल्का फैला लें। ये दिखने में काफी अच्छा लगता है।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा. स्टूडेंट्स के लिए दिन राहत भरा रहेगा और वे नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं. फोन का इस्तेमाल कम करें, वरना समय बर्बाद होगा. पैसों के मामलों में जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदेह साबित हो सकता है, इसलिए उधार देने से पहले सोचें. जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जाने की योजना बन सकती है.

वृषभ राशि - आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा और आपके सभी काम योजनानुसार पूरे होंगे. सामाजिक कार्यों मे रुचि बढ़ेगी और लोगों से जुड़ाव मजबूत होगा. जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा. व्यापार मे साझेदारी लाभदायक साबित हो सकती है. परिवार में रिश्तों में सुधार आएगा और माहौल सकारात्मक रहेगा. संतान से सुख मिलेगा और दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका भी मिल सकता है.

मिथुन राशि - आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा. एकाग्रता से किया गया काम अच्छे परिणाम देगा. लव लाइफ बेहतर रहेगी और पार्टनर के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा. काम के प्रति लापरवाही भारी पड़ सकती है, इसलिए जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों से मदद मिलेगी. रियल एस्टेट से जुड़े लोगों के लिए नए प्रोजेक्ट की शुरुआत हो सकती है.

कर्क राशि - आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा. परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत रिश्तों को मजबूत करेगी. दोस्तों के साथ घर पर मनोरंजन का प्लान बन सकता है. किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद साबित होगी. नए विचार आपके काम को नई दिशा देंगे.

सिंह राशि - आज दिन की शुरुआत सकारात्मक रहेगी. बिजनेस ट्रिप पर जाने से पहले बड़ों का आशीर्वाद लेना आपके लिए लाभकारी रहेगा. जीवनसाथी को करियर मे तरक्की के अवसर मिल सकते है. कोरियर या लॉजिस्टिक्स से जुड़े कारोबारियों को फायदा होगा.

कन्या राशि - आज आपका दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा. व्यापार में बड़ा धन लाभ मिलने के संकेत हैं. शत्रु पक्ष कमजोर रहेगा. लकड़ी या निर्माण से जुड़े लोगों को बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है. राइटर्स और आर्टिस्ट्स के लिए दिन शानदार रहेगा, उनकी प्रतिभा को सराहना मिलेगी. परिवार में नए सदस्य के आने से खुशी का माहौल रहेगा.

तुला राशि-आज आपका दिन शानदार रहने वाला है. माता-पिता की नाराजगी दूर होगी और घर का माहौल अच्छा रहेगा. राजनीति और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल है. महिलाओं के लिए भी दिन विशेष रूप से अच्छा रहेगा बिजनेस में जरूरी मीटिंग सफल हो सकती है. पुराने कर्ज से राहत मिलने की संभावना है.

वृश्चिक राशि - आज आपका दिन बेहतर रहेगा. पुरानी समस्याओं का समाधान मिलने से मन हल्का रहेगा. परिवार में धार्मिक आयोजन की योजना बन सकती है. आप अपने जीवन मे सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करेंगे. स्वास्थ्य बेहतर बनाए रखने के लिए डाइट पर ध्यान दे. व्यवहार मे सुधार से नए दोस्त बन सकते हैं और लोगों का सहयोग मिलेगा.

धनु राशि- आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहेगा. काम पूरा करने मे आपका ध्यान लगा रहेगा, लेकिन भाग्य का साथ कम मिल सकता है. ऑफिस मे किसी मुद्दे पर चर्चा करनी पड़ सकती है. विरोधी आपकी योजनाओं से प्रभावित हो सकते हैं. बड़ी कंपनियों में काम करने वालों के लिए दिन महत्वपूर्ण है. गृहिणियों के लिए बिजनेस शुरू करने के अच्छे योग बन रहे हैं.

मकर राशि - आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा. बिजनेस में नए अवसर मिलेंगे और उधार दिया पैसा वापस मिल सकता है. व्यापार में किसी व्यक्ति से लाभ मिलने की संभावना है. परिवार और भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा. घर मे किसी आयोजन के कारण व्यस्तता बढ़ सकती है.

कुंभ राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा लेकिन मन मे थोड़ी चिंता बनी रह सकती है. परिवार के साथ समय बिताने और दोस्तों के साथ पार्टी मे शामिल होने का मौका मिलेगा. नई स्किल सीखने का विचार भविष्य मे फायदेमंद साबित होगा. नई कार खरीदने का प्लान बन सकता है.

मीन राशि- आज आपका दिन नई ऊर्जा के साथ शुरू होगा. आपके विचार आपको समाज में अलग पहचान दिला सकते हैं. घर मे सजावट या बदलाव का काम हो सकता है. कांट्रेक्टर और बिजनेस से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा. मौसम बदलने से स्वास्थ्य पर थोड़ा असर पड़ सकता है, इसलिए पानी ज्यादा पिएं. काम करने का नया तरीका आपको आगे बढ़ा सकता है.

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

फैशनेबल और कंफर्टेबल लुक के लिए स्टाइल करें कॉटन साड़ियां

समर सीजन शुरू हो चुका है और आपको साड़ियां कैरी करनी हैं, तो इस बार हल्की और आरामदायक सूती साड़ियां ट्राई करें। सिंथेटिक या भारी कपड़े पहनने पर पसीना त्वचा पर बना रहता है और रैशेज एवं खुजली की समस्या हो सकती है। सूती साड़ी हवादार होती है साथ ही पसीना अवशोषित करती है, जिससे बॉडी में ठंडक का एहसास बना रहता है और और आपको रिलैक्स्ड रहने में मदद मिलती है।

▸▸ हल्की और मुलायम साड़ी शरीर पर मक्खन जैसी महसूस होगी। खासकर गर्म मौसम में ये बॉडी में ठंडक का एहसास बनाए रखती है। अगर आप भी हल्की और आरामदायक साड़ी की तलाश में हैं, तो ये विकल्प जरूर ट्राई करें। 5.5 मीटर की लंबी साड़ी के साथ 1 मीटर लंबी ब्लाउज पीस मिल जाएगी। इस सुंदर और कंफर्टेबल साड़ी को आप डेली वियर के तौर पर पहनने के साथ ऑफिस में कैरी कर सकती हैं।

▸▸ लाइट ग्रीन रंग की इस साड़ी की फैब्रिक हवादार है, जिससे पसीना शरीर पर नहीं फंसता और घमौरियों का खतरा कम हो जाता है। ऑफिस जाने वाली महिलाओं के लिए ये बेस्ट ऑप्शन है। इस साड़ी पर की गई खूबसूरत प्रिंट और बॉर्डर स्टाइल इसके आकर्षण में चार चांद लगा रही है। इसका कलर बेहद यूनीक है, जिसे महिलाओं ने काफी पसंद किया है। यह लॉन्ग वेयरिंग साड़ी है। ऑफिस के लंबे घंटों के दौरान इन्हें आराम से कैरी कर सकती हैं।

▸▸ फ्लोरल प्रिंटेड इस हैंडलूम साड़ी का लुक कमाल का है। इस कॉटन साड़ी पर बेहद खूबसूरत प्रिंट बने हैं, इसके आकर्षण मे चार चांद लगा रहे। साथ ही इसका कलर कांबिनेशन भी यूनिक है। इसे नियमित इस्तेमाल के साथ-साथ ट्रेडिशनल इवेंट्स पर या ऑफिस वर्क के साथ कैजुअल पार्टी मे कैरी कर सकती है। ये बॉडी पर बेहद लाइटवेट और कंफर्टेबल महसूस होगी।

55% ▸▸ कॉटन और 45% खादी मटेरियल से तैयार ये खूबसूरत साड़ी गर्मी मे महिलाओं के लिए बिल्कुल परफेक्ट रहेगी। ऑफिस जाना हो या कैजुअल आउटिंग पर, आप इसे मिनटों मे स्टाइल कर सकती हैं। इसमें कई अलग-अलग कलर ऑप्शंस भी उपलब्ध मिल जाएंगे और सभी पर 75% का ऑफ मिल रहा है। तो बिना इंतजार किए ये साड़ी आज ही ऑर्डर करें।

कच्चा आम खाने से क्या क्या फायदे

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही मार्केट में कच्चे आम मिलने शुरू हो गए हैं। स्वाद में खट्टा और चटपटा कच्चा आम का इस्तेमाल चटनी बनाने से लेकर अचार तक के लिए किया जाता है। कच्चे आम में भरपूर मात्रा में विटामिन सी, फाइबर और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे और चटपटे स्वाद से भरपूर कच्चा आम सेहत के लिए भी लाभकारी माना जाता है। लेकिन कई लोगों का मानते हैं कि गर्मियों में इसका सेवन स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसा नहीं है, अगर कच्चे आम का सेवन सीमित मात्रा में किया जाए तो ये स्वास्थ्य को कई तरह के फायदे पहुंचा सकता है। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कच्चा आम खाने से क्या क्या फायदे मिलते हैं।

1. लू और डिहाइड्रेशन से बचाए

कच्चा आम शरीर में पानी की कमी को पूरा करने और चिलचिलाती धूप से बचाने में बहुत मददगार है। कच्चे आम का पन्ना पीने से शरीर को ठंडक मिलती है और 'लू' लगने का खतरा कम हो जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन को बनाए रखता है।

2. पाचन तंत्र के लिए रामबाण

अगर आपको पेट से जुड़ी समस्याएं हैं, तो कच्चा आम आपके लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को सुचारू बनाते हैं, जिससे कब्ज और गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। यह पित्त के स्राव को बढ़ाता है, जिससे भोजन आसानी से पचता है।

3. रोग प्रतिरोधक क्षमता

कच्चा आम विटामिन C का एक बेहतरीन सोर्स है। यह आपकी इम्यूनिटी को बूस्ट करता है, जिससे आप मौसमी बीमारियों और संक्रमण से बचे रहते हैं। इसमें विटामिन A भी होता है जो आंखों और त्वचा के लिए अच्छा है।

4. वजन घटाने में सहायक

पके हुए आम की तुलना में कच्चे आम में शुगर की मात्रा बहुत कम होती है और कैलोरी भी कम होती है। यह मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है, जिससे फैट बर्न करने में मदद मिलती है।

5. लिवर और दांतों की सेहत

यह लिवर को साफ करने में मदद करता है और लिवर से जुड़ी बीमारियों को दूर रखता है। इसे चबाकर खाने से मसूड़ों से खून आना और सांसों की दुर्गंध जैसी समस्याएं भी कम होती हैं।

इस बात पर रखें ध्यान

कच्चे आम का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। बहुत अधिक मात्रा में खट्टा आम खाने से गले में खराश या पेट में दर्द हो सकता है। इसे अक्सर थोड़े से नमक या गुड़ के साथ खाना सबसे अच्छा माना जाता है।

जलजीरा या शिकंजी

गर्मियों में जब तेज धूप से आने के बाद जब प्यास लगती है, तो लोग रिफ्रेशिंग ड्रिंक की तालाश करते हैं। ऐसे में ज्यादातर घरों में जलजीरा या शिकंजी सर्व की जाती है। ये दोनों ही ड्रिंक्स बॉडी को हाइड्रेट करते हैं और प्यास बुझाने का काम करते हैं। लेकिन एक सवाल जो कई लोगों के मन में रहता है वो है कि जलजीरा या शिकंजी दोनों में से बेस्ट समर ड्रिंक कौन सा है। यहां इस आर्टिकल में हम बताने जा रहे हैं दोनों में से कौन सा ड्रिंक बेस्ट है। किसका सेवन आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

कौन है बेस्ट समर ड्रिंक?

शिकंजी के फायदे

हाइड्रेशन और एनर्जी

तेज धूप और पसीने के कारण शरीर मे पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो जाती है। शिकंजी पीने से शरीर मे इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बना रहता है और आपको तुरंत एनर्जी महसूस होती है। शिकंजी में मौजूद नींबू का रस और काला नमक पेट की समस्याओं के लिए रामबाण है। यह एसिडिटी और सीने में जलन को कम करता है। इसमें मौजूद जीरा पाउडर पाचन एंजाइम्स को सक्रिय करता है, जिससे खाना आसानी से पचता है।

विटामिन C का पावरहाउस

नींबू विटामिन C का बेहतरीन स्रोत है। यह आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और शरीर को फ्री रेडिकल्स से लड़ने मे मदद करता है। अगर आप चीनी की जगह इसमें शहद का इस्तेमाल करते हैं, तो यह मेटाबॉलिज्म को तेज करता है। नींबू मे मौजूद पेक्टिन फाइबर भूख को कम करने मे मदद करता है।

जलजीरा के फायदे

पाचन तंत्र के लिए रामबाण

जलजीरा मे इस्तेमाल होने वाला काला नमक, जीरा और हींग पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है। यह पेट मे बनने वाली गैस और भारीपन को तुरंत कम करने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से मल त्याग की प्रक्रिया आसान होती है।

वजन घटाने में सहायक

अगर आप फिट रहना चाहते हैं, तो जलजीरा एक बेहतरीन 'लो-कैलोरी' ड्रिंक है। जीरा मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है। इसे पीने से पेट भरा हुआ महसूस होता है, जिससे आप अस्वास्थ्यकर स्नैक्स खाने से बच जाते हैं।

एस.आर. हॉस्पिटल चिखली में सुप्रसिद्ध प्लास्टिक सर्जन डॉ. विश्वामित्र दयाल का भव्य स्वागत

विशेष संवाददाता, भिलाई/चिखली। छत्तीसगढ़ दुर्ग जिले के चिखली क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान 'एस.आर. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर' (रु क्र ॥शहाश्चद्धह्लड्डय ड्डठ्ठस्र ऋद्गह्यद्गड्डह्म्ष्द्ध ष्टद्गठ्ठह्लद्गह्म्) में मंगलवार को एक विशेष गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुप्रसिद्ध प्लास्टिक सर्जन डॉ. विश्वामित्र दयाल जी के आगमन और उनके स्वागत के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। डॉ. दयाल के अस्पताल पहुँचने पर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। स्वागत समारोह में मुख्य रूप से ? नमः शिवाय जी और पाण्डेय जी उपस्थित रहे, जिन्होंने डॉ. दयाल की विशेषज्ञता और उनके अनुभव से अस्पताल को मिलने वाले लाभ पर चर्चा की। इस अवसर पर नर्सिंग सुप्रिटेंडेंट लीलावती वर्मा, डॉ. अश्वनी शुक्ला और एचआर असिस्टेंट (॥क्र ॒ह्यह्यद्बह्यह्लड्डठ्ठह्ल) सीमा शर्मा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अस्पताल के विभिन्न शैक्षणिक और चिकित्सा विभागों का प्रतिनिधित्व करते हुए नेत्र विभाग से श्री चंद्राकर जी, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी कॉलेज विभाग से श्री अरविंद कुमार जी और प्रियेश मिश्रा ने डॉ. दयाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। संस्थान के प्रबंधन ने विश्वास जताया कि डॉ. विश्वामित्र दयाल जैसे अनुभवी प्लास्टिक सर्जन के जुड़ने से क्षेत्र के मरीजों को अब जटिल सर्जरी के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और उन्हें चिखली में ही उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होंगी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी स्टॉफ और सहयोगियों ने डॉक्टर साहब के सफल कार्यकाल की कामना की।

जागरूक उपभोक्ता ही सुरक्षित बाजार का आधार : संतोष कुमार सिंह

दुर्ग में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न, विशेषज्ञों ने दी अधिकारों की जानकारी

दुर्ग/ निज प्रतिनिधि। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर दुर्ग के वार्ड क्रमांक 12 स्थित सामुदायिक भवन में उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, दुर्ग के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

अधिकारों और विवाद समाधान पर चर्चा- कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह और सदस्य नीलू ठाकुर रहे। उन्होंने उपस्थित लोगों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत मिलने वाले अधिकारों और किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति सजग रहकर ही शोषण से बच सकते हैं।

सरल न्याय प्रक्रिया की जानकारी- वरिष्ठ अधिवक्ता आर. एस. यादव ने इस अवसर पर शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता विवादों के समाधान के लिए शासन ने सरल न्याय प्रणाली विकसित की है। प्रत्येक जिले में तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है, जहाँ उपभोक्ता अधिनियम में निर्धारित तरीके से अपने अधिकारों के लिए गुहार लगा सकते हैं।

जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की रही. उपस्थिति कार्यक्रम में स्थानीय वार्ड पार्षदों और जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इनमें मुख्य रूप से अजीत वैद्य, संजय पाठक, इंद्र कुमार साहू, ललित कुमार, देवेश शुक्ला, सोनिया और अक्षत यादव सहित वार्ड के सैकड़ों नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित नागरिकों ने विशेषज्ञों से अपने संदेहों का समाधान भी किया।

दुर्ग नगर निगम की बजट सभा में भारी हंगामा: पक्ष-विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक, अफीम की खेती का मुद्दा भी गूंजा

दुर्ग/ कार्यालय प्रतिनिधि । नगर पालिक निगम दुर्ग की बजट सामान्य सभा की बैठक मंगलवार को मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित की गई। इस दौरान सदन का माहौल काफी गरमाया रहा। मूलभूत सुविधाओं के अभाव और वार्डों की समस्याओं को लेकर पार्षदों ने अधिकारियों और एमआईसी प्रभारियों को जमकर घेरा। स्थिति तब दिलचस्प हो गई जब भाजपा के पार्षदों ने ही अपनी सरकार के एमआईसी पीडब्ल्यूडी प्रभारी देवनारायण चंद्राकर को सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया।

अफीम की खेती पर तंज और बहस- सदन की कार्यवाही के दौरान पार्षदों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि शहर में हुई अवैध अफीम की खेती का मामला भी चर्चा में आ गया। पार्षद अजीत वैद्य और काशीराम कोसरे के बीच तीखी बहस हुई। इस दौरान वार्ड 49 के पार्षद भास्कर कुंडले ने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए अफीम की खेती के मामले को सत्ता पक्ष से जोड़ा। वहीं, वार्ड 57 के पार्षद सरस निर्मलकर ने बिना सूचना वार्ड के कर्मचारी को हटाए जाने पर स्वास्थ्य प्रभारी को आड़े हाथों लिया। संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया।

अपनों ने ही अपनों को घेरा- सभापति श्याम शर्मा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पहली बार यह देखने को मिला कि सत्ता पक्ष (भाजपा) के पार्षदों ने ही अपनी पार्टी के एमआईसी सदस्य और पीडब्ल्यूडी प्रभारी देवनारायण चंद्राकर को विकास कार्यों में देरी और लापरवाही को लेकर घेरा। सभापति ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को सदन में जवाब देने और व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए।

मेकाहारा में डीएम कार्डियोलॉजी सीट पर सीएम का आभार, अमलीपदर में कॉलेज, छात्रावास और कांदाडोंगर पर्यटन विकास की मांग

देवभोग। पंडित जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (मेकाहारा) रायपुर में डीएम कार्डियोलॉजी की सीट स्वीकृत किए जाने पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. देवेन्द्र कश्यप के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया इस दौरान प्रदेश सरकार के इस निर्णय को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया गया प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि डीएम कार्डियोलॉजी की सीट स्वीकृत होने से प्रदेश में हृदय रोग विशेषज्ञों की उपलब्धता बढ़ेगी और गंभीर हृदय रोगियों को बेहतर उपचार मिल सकेगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं जिला मंत्री डॉ. मनीष सिन्हा ने भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बिंद्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी कई जनहित की मांगें प्रमुखता से रखीं उन्होंने अमलीपदर क्षेत्र में शासकीय महाविद्यालय की स्थापना तथा अमलीपदर एवं देवभोग में पोस्ट मैट्रिक आदिवासी छात्रावास की स्वीकृति की मांग की, ताकि क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकें। इसके साथ ही डॉ. सिन्हा ने क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कांदा डोंगर के पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण तथा मैनपुर क्षेत्र स्थित महानदी (पैरी) उद्गम स्थल के संरक्षण और उसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का भी प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखा प्रतिनिधिमंडल ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में क्षेत्र की इन जनहित से जुड़ी मांगों पर सकारात्मक पहल होगी, जिससे बिंद्रानवागढ़ क्षेत्र में शिक्षा, पर्यटन और विकास को नई दिशा मिलेगी।

कुम्हारी में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, अफीम और 14 लाख नगद के साथ 70 वर्षीय बुजुर्ग गिरफ्तार

विशेष संवाददाता, कुम्हारी। (दुर्ग) 7 17 मार्च। दुर्ग पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। थाना कुम्हारी अंतर्गत खारुन ग्रीन कॉलोनी क्षेत्र में घेराबंदी कर एक अंतरराज्यीय स्तर के अफीम तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से भारी मात्रा में अफीम और लाखों रुपये की नगदी बरामद की गई है।

मुखबिर की सूचना पर दी दबिश- पुलिस को मंगलवार को पुख्ता सूचना मिली थी कि खारुन ग्रीन कॉलोनी के गेट नंबर 02 के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से अफीम की बिक्री कर रहा है। सूचना मिलते ही कुम्हारी थाना की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदेही को हिरासत में लिया।

लाखों की नगदी और नशा बरामद- तलाशी के दौरान आरोपी गुरमेल सिंह (70 वर्ष), निवासी हाउस नंबर 50, खारुन ग्रीन कॉलोनी के कब्जे से 403 ग्राम अफीम बरामद हुई, जिसकी बाजार में कीमत लगभग 2 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा, पुलिस ने आरोपी के पास से 14,46,000 रुपये नगद और दो मोबाइल फोन भी जप्त किए हैं। जप्त की गई कुल संपत्ति की कीमत लगभग 16.51 लाख रुपये बताई जा रही है।

NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज- पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से लंबे समय से इस काले कारोबार में संलिप्त था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 0/2026, धारा 18(ग), 27(क), 29 NDPS Act के तहत मामला पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्यवाही जारी है।

इस सफलता में कुम्हारी थाना स्टाफ के उप निरीक्षक, आरक्षक किरण, आरक्षक सचिन सिंह और अन्य जवानों की सराहनीय भूमिका रही। उच्च अधिकारियों ने इस त्वरित कार्यवाही के लिए टीम को शाबाशी दी है।

हिन्दी साहित्य समिति की होली मिलन एवं काव्य गोष्ठी संपन्न

धमतरी। जिला हिन्दी साहित्य समिति धमतरी द्वारा साहित्य भवन म्युनिसिपल स्कूल धमतरी के पीछे में आयोजित होली मिलन समारोह साहित्य, संवाद और सांस्कृतिक आत्मीयता का एक प्रेरक अवसर बन गया। इस अवसर पर आगामी साहित्यिक पत्रिका प्रत्यय का विमोचन, नगर पालिक निगम धमतरी द्वारा साहित्यकारों के नाम से प्रस्तावित मार्ग के नामकरण के सांकेतिक बोर्ड का लोकार्पण तथा समिति की आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर साहित्य समिति के साहित्यकारों, कवियों और साहित्य प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में सभी ने फूलों की पंखुड़ियों से होली खेलकर प्रेम, सौहार्द और रचनात्मक ऊर्जा का संदेश दिया। साहित्य भवन का वातावरण पूरी तरह साहित्यिक संवाद और आत्मीयता से भरा हुआ था। जिला हिन्दी साहित्य समिति के अध्यक्ष डुमन लाल ध्रुव ने कहा कि साहित्य समाज की संवेदनशीलता को जीवित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है और ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सांस्कृतिक वातावरण निर्मित करते हैं। आगे उन्होंने साहित्य समिति की आगामी कार्यक्रम में साहित्यिक पत्रिका प्रत्यय के विमोचन किये जाने की जानकारी भी दी । पत्रिका के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए जानकारी दी कि 'प्रत्यय' जिले के रचनाकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करेगी। इसमें वरिष्ठ साहित्यकारों के साथ.साथ नवोदित रचनाकारों की रचनाओं को भी स्थान दिया गया है। 'प्रत्यय' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण नगर पालिक निगम धमतरी द्वारा शहर में साहित्यकारों के नाम से प्रस्तावित मार्गों के नामकरण के सांकेतिक बोर्ड का लोकार्पण भी किया जाएगा।

एलपीजी गैस वितरण में अनियमितता एवं कालाबाजारी रोकने कड़ी निगरानी

अधीनस्थ अनुविभाग, ब्लॉक एवं तहसीलों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने पर दिया जोर

समय-सीमा बैठक में जनगणना तैयारी व धान उठाव की समीक्षा

दुर्ग। एलपीजी गैस वितरण में अनियमितता एवं कालाबाजारी रोकने कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कड़ी निगरानी रखने का निर्देश अधिकारियों को दिए है.बैठक में खाद्य अधिकारी को एलपीजी गैस वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या कालाबाजारी रोकने के निर्देश दिए गए। शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया। इसके अलावा सभी विभागों को लंबित बिजली बिलों का जल्द भुगतान करने और निष्क्रिय खातों को सक्रिय कर संबंधित विभागों को राशि लौटाने के निर्देश भी दिए गए। समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए शासकीय योजनाओं और निर्माण कार्यों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने जनगणना 2027 की तैयारियों के संबंध में भी विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने मकान सूचीकरण ब्लॉक कार्य को 31 मार्च तक हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही इंचार्ज अधिकारियों को सूची में एकरूपता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में ग्राम पंचायतों में राजस्व संबंधी अविवादित नामांतरण, बंटवारा और पंजीयन की स्थिति की समीक्षा की गई। सभी पंचायतों में पंजीयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिन पंचायतों में अब तक कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, वहां के सचिवों के एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने अधीनस्थ अनुविभाग, ब्लॉक स्तरीय कार्यालयों और तहसीलों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए। सभी विभागों को ई-एचआरएमएस में ऑनबोर्डिंग के लिए निर्धारित प्रारूप में जानकारी 31 मार्च से पहले सामान्य प्रशासन विभाग को भेजने को कहा गया। समग्र शिक्षा के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में धान उठाव की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को सभी समितियों से 25 मार्च तक शत-प्रतिशत डीओ कटवाकर धान उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बाल देखरेख संस्थाओं की स्थिति की समीक्षा की। कलेक्टर ने 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारी ने अवगत कराया कि आंगनबाड़ी प्रवेश उत्सव के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में अब तक 3094 नए बच्चों का नामांकन किया जा चुका है। कलेक्टर ने सभी विभागों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने और शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। बैठक में एडीएम वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, नगर निगम रिसाली की आयुक्त मोनिका वर्मा, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं सिल्ली थॉमस सहित सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com